● वर्ष-4
● अंक-56
रायपुर, शनिवार 12 अक्टूबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

शुभकामनाएं

दशहरा पर्व के अवसर पर समाचार पचीसा के सुधी पाठकों, एजेंटों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं....

अवकाश

समाचार पचीसा के संस्थान में शनिवार 12 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। पाठकों को समाचार पचीसा का अगला अंक 14 अक्टूबर को प्राप्त होगा।

● संपादक

यूएन के ब्लू हेलमेट बेस पर ही अब इजरायल ने दाग दिए गोले

अमेरिका-भारत सब टेंशन में आ गए, भारी न पड़ जाए नेतन्याहू को ये हरकत

नई दिल्ली। एक मशहूर लाइन है कि जो अपने देश के सीमाओं की हिफाजत नहीं कर सकता, वो देश आगे नहीं बढ़ सकता। सुरक्षा सबसे बड़ा फैक्टर होता है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना जिसे सशस्त्र संघर्ष के क्षेत्र में शांति बनाए रखने या फिर से स्थापित करने के लिए नियुक्त किया जाता है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र शांति सेना पर इज़राइली सेना ने गोलीबारी की है। इज़राइल की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताई जा रही है। इजरायल के इस कदम से अमेरिका, भारत जैसे उसके मित्र देश भी टेंशन में आ गए हैं। वहीं यूएन मिशन ने कहा कि इस हमले में शांति रक्षकों को गंभीर चोटें नहीं आईं, लेकिन उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटली के रक्षा मंत्रालय ने विरोध स्वरूप इजराइल के राजदूत को तलब किया। यूएनआईएफआईएल के प्रवक्ता ने बताया, वे इंडोनेशियाई नागरिक हैं। इंडोनेशिया भी यूएनआईएफआईएल में सैनिकों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। पूरे मामले पर अमेरिका की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। व्हाइट हाउस ने कहा कि हम बहुत चिंतित हैं। हम जानते है कि इजरायल हिजबुल्लाह के बुनियादी ढांचे के खात्मे के लिए ब्लू लाइन के पास लक्षित अभियान चला रहा है। यह भी जरूरी है कि वह संयुक्त राष्ट्र शांति दूतों की सुरक्षा को खतरा न डाले।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक सेना के प्रमुख ने कहा कि रविवार को 300 सैनिकों को दूसरी जगह पर तैनात करना पड़ा है। अभी 200 और सैनिकों को दूसरी जगह तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक सैनिकों की सुरक्षा अब खतरे में पड़ रही है। लेबनान में यूएन शांति सेना के अधिकारी एंड्रिया टेनेन्टी ने बताया कि गोले और छोटे हथियारों से हमला किया गया। यूएन ने यह भी बताया कि पिछले 12 महीनों में यह उन पर हुआ सबसे बड़ा हमला है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 22 लोग मारे गए और 117 घायल हुए। बेरूत से सटे खासकर घनी आबादी वाले दक्षिणी उपनगरों में हाल ही में इजराइली हवाई हमलों में हिजबुल्ला के नेता हसन नसरल्ला और अन्य वरिष्ठ कमांडर मारे गए हैं। हिजबुल्ला ने पिछले वर्ष आठ अक्टूबर को हमास और फलस्तीनियों के समर्थन में इजराइल पर रॉकेट दागना शुरू किया था.

हार पर मंथनः हरियाणा कांग्रेस में बदलाव की तैयारी

हाईकमान नाराज, क्या प्रदेशाध्यक्ष और प्रभारी पर गिरेगी गाज

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस हाईकमान प्रदेश में पार्टी नेतृत्व से सख्त नाराज है। अब हाईकमान हार के लिए जिम्मेदार नेताओं साइड लाइन करने मूड में है। अगले कुछ दिनों में हरियाणा कांग्रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इनमें सबसे पहले प्रदेशाध्यक्ष उदयभान पर गाज गिरना तय है। हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया की भी छुट्टी निश्चित बताई जा रही है। साथ ही नेता प्रतिपक्ष पद पर भी किसी गैर जाट चेहरे को लाया जा सकता है।

हरियाणा में हार के कारण जानने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी दो बैठकें कर चुके हैं। इसमें प्रारंभिक कारण नेताओं का निजी स्वार्थ और खेमेबाजी सामने आई हैं। इससे राहुल गांधी खासे नाराज हैं और चुनाव में हार के लिए नेताओं की जिम्मेदारी तय करने को फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई गई है। हालांकि, पार्टी हाईकमान ने पहले ही हार के लिए नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष उदयभान के साथ प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी ओर, हुड्डा विरोधी खेमा भी जोर-शोर से इन्हीं तीनों नेताओं पर निशाना साध रहे है। कुमारी सैलजा और कैप्टन अजय यादव खुलकर बदलाव की मांग कर रहे हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार उठ रहे विरोधी स्वरों को देखते हुए कांग्रेस हाईकमान जल्द प्रदेशाध्यक्ष उदयभान की छुट्टी कर सकता है और प्रभारी को भी बदला जा रहा है। उदयभान भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खास हैं और वह दूसरे

धड़ों को नहीं साध पाए। प्रदेश अध्यक्ष के लिए ऐसे चेहरे की तलाश है, जो सभी धड़ों को साध लेकर चले और गैर विवादित हो। इसमें सबसे पहला नाम अंबाला के सांसद वरुण चौधरी का है। कुमारी सैलजा और हुड्डा दोनों ही उनको पसंद करते हैं। दलित चेहरा होने के साथ वह युवा भी हैं और उच्च शिक्षित होने के नाते प्रदेश के मुद्दों की अच्छी समझ रखते हैं।

विधायक दल के नेता के लिए गैर जाट नामों पर विचार

बदलाव के दौर से गुजर रही कांग्रेस में विधायक दल का नया नेता चुने जाने की भी चर्चा है। पिछली बार भूपेंद्र सिंह हुड्डा विधायक दल के नेता थे, लेकिन इस बार हुड्डा विरोधी खेमा खुलकर विरोध कर रहा है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव के जाट बनाम गैर जाट होने का खामियाजा भुगत रही कांग्रेस इस बार किसी गैर जाट को नेता प्रतिपक्ष बनाना चाह रही है। इसके लिए थानेसर से विधायक अशोक अरोड़ा का नाम चल रहा है। अरोड़ा इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मंत्री भी रहे हैं।

रिपोर्ट लेने के बाद हरियाणा के नेताओं के साथ बैठक करेगा हाईकमान

हार के अन्य कारणों को तलाशने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी हरियाणा का दौराकर कार्यकर्ताओं और नेताओं से फीडबैक लेकरर रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट के मिलने के बाद ही हाईकमान हरियाणा के नेताओं के साथ बैठक करेगी, ताकि असली तथ्यों पर बात की जाए और जिम्मेदार नेताओं की जवाबदेही भी तय की जा सके।

मायावती ने बदल लिया मन!

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी किसी भी क्षेत्रीय दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी। उनकी घोषणा हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हुई, जिसमें उन्होंने एक क्षेत्रीय पार्टी के साथ लड़ाई लड़ी और एक भी सीट नहीं जीत सकी।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी दादा किया कि भाजपा और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधनों से भी उनकी दूरी बरकरार रखेगी। उत्तर प्रदेश के चार बार के पूर्व मुख्यमंत्री ने हिंदी में पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि यूपी सहित दूसरे राज्यों के चुनाव में भी बीएसपी का वोट गठबंधन की पार्टी को ट्रांसफर हो जाने किन्तु उनका वोट बीएसपी को ट्रांसफर कराने की क्षमता उनमें नहीं होने के कारण अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से पार्टी कैडर को निराशा व उससे होने वाले मूवमेन्ट की हानि को बचाना जरूरी।

नेता प्रतिपक्ष का पद होगा रोटेशनल

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद को रोटेशनल बनाने वाली है, ये दावा भाजपा की तरफ से किया गया है। दरअसल दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा, विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को अगर ये लगता है कि राहुल गांधी अपनी जिम्मेदारी को समर्पण के साथ पूरा नहीं कर पा रहे हैं तो उन्हें इस तरह का फैसला लेना चाहिए। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि विपक्षी दलों में कई नेता हैं जो नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) का काम संभालने में सक्षम हैं, लेकिन यह निर्णय उन्हें लेना है क्योंकि यह उनका आंतरिक मामला है। हालांकि इस रिपोर्ट के दाखिल होने तक विपक्षी दलों की ओर से भाजपा के दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की गई, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी के सांसद को ही एलओपी नियुक्त किया जा सकता है, जिसके पास कम से कम 10 प्रतिशत सीटें हों। राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त किया गया है, जबकि सदन में कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है।

भाजपा सांसद की यह टिप्पणी विपक्षी दलों की तरफ से लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद को रोटेशनल बनाने पर विचार करने की चर्चा पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने के बाद आई है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बांसुरी स्वराज ने कहा, हां, बिल्कुल। मैंने भी सुना है कि विपक्ष के नेता के पद को रोटेशनल बनाने की बात चल रही है। लेकिन मैं विनम्रतापूर्वक कहूंगी कि यह विपक्ष का आंतरिक मामला है। उन्होंने कहा, विपक्षी दलों में निश्चित रूप से कई नेता हैं जो विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह सक्षम हैं।

केन्द्र और राज्य सरकार जनजाति समाज के समग्र विकास के लिए हमेशा तत्परः नेताम

रायपुर। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा है कि केन्द्र और राज्य सरकार जनजाति समाज के समग्र विकास के लिए तत्पर होकर कार्य कर रही है। वे आज आज उत्तर बस्तर (कांकेर) जिले के विकासखण्ड कांकेर के ग्राम कन्हारपुरी में स्वर्गीय रामप्रसाद पोटाई की स्मृति में देव दशहरा एवं क्रीड़ा प्रतियोगिता को सम्बोधित कर रहे थे। श्री नेताम ने इस दौरान उन्होंने देव दशहरा के भव्य आयोजन के लिए 10 लाख रूपए की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने की।

प्रमुख समाचार

उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा किया पेश

जम्मू। जम्मू कश्मीर में सरकार बनाने को लेकर उमर अब्दुल्ला ने दावा पेश कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को राज भवन जाकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 13 अक्तूबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा ने कहा कि मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, सीपीएम, आप और निर्दलीयों से मिले समर्थन पत्र सौंपे। उमर ने कहा कि मैंने उनसे शपथ ग्रहण समारोह की तारीख तय करने का अनुरोध किया ताकि सरकार काम करना शुरू कर सके। यह एक लंबी प्रक्रिया होगी क्योंकि यहां केंद्र का शासन है। एलजी पहले राष्ट्रपति भवन और फिर गृह मंत्रालय को दस्तावेज भेजेंगे। हमें बताया गया है कि इसमें 2-3 दिन लगेंगे। इसलिए अगर यह मंगलवार से पहले होता है, तो हम बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह करेंगे। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस सरकार में जम्मू की अनदेखी नहीं की जाएगी। नेशनल कॉन्फ्रेंस को निर्दलीय विधायकों के बाद अब आम आदमी पार्टी का भी समर्थन मिल गया है।

कर्नाटक में अब बीजेपी पर जांच की आंच

नई दिल्ली। कर्नाटक में पिछली भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान हुए कथित कोविड-19 घोटाले की जांच कर रहे हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त के न्यायाधीश माइकल डी कुन्हा जांच आयोग द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में गंभीर अवैधताओं, कदाचार और हर जगह भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक कैबिनेट ने संबंधित आपूर्तिकर्ताओं और सेवा प्रदाताओं से जुर्माने और अतिरिक्त भुगतान के रूप में 500 करोड़ रुपये वसूलने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में कई खरीद निकायों में अनियमितताओं का विवरण दिया गया है। कर्नाटक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग (एचएफडब्ल्यूडी) 1,754.34 करोड़ रुपये की खरीद के लिए जिम्मेदार था, जबकि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने 1,406.56 करोड़ रुपये का प्रबंधन किया। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने 918.34 करोड़ रुपये की खरीदारी की, कर्नाटक राज्य चिकित्सा आपूर्ति निगम लिमिटेड (चस्स्स्ष्टरु) ने 1,394.59 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण और 569.02 करोड़ रुपये की दवाएं खरीदीं.

आतिशी को मिला नया सीएम आवासा को पीडब्ल्यूडी ने घर किया अलॉट

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी को लोक निर्माण विभाग ने शुक्रवार को सिविल लाइन, 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास आवंटित कर दिया। आवास सील करने को लेकर बुधवार को जमकर हंगामा हुआ था। साथ ही, आतिशी के सामान को लोक निर्माण विभाग ने बाहर कर दिया था। लोक निर्माण विभाग के मुताबिक, सभी कार्रवाई करने के बाद नियम के तहत आवास आवंटित कर दिया गया है। विभाग के आवंटन निदेशक की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि दिल्ली प्रशासन सरकारी आवास आवंटन (सामान्य पूल) नियम, 1977 के प्रावधानों के अनुसार मुख्यमंत्री आतिशी को आवास आवंटित किया गया है। मुख्यमंत्री को आठ दिनों के भीतर इस कार्यालय में पासपोर्ट आकार की सत्यापित पारिवारिक फोटो देनी होगी। इसके बाद उन्हें नियम के तहत प्राधिकरण पर्ची दी जाएगी, ताकि वे पर्ची में उल्लिखित तिथि के भीतर आवंटित आवास का कब्जा ले सकें। तय समय में कब्जा लेने में विफल रहने की स्थिति में, आवंटन को रद्द माना जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास को लेने के 15 दिनों के भीतर दूसरा आवास खाली करना होगा।

देश की सुरक्षा में सेना की महत्वपूर्ण भूमिकाः राजनाथ

गंगटोक। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को दार्जिलिंग के सुकना कैंट से सेना कमांडरों के सम्मेलन में वर्चुअल रूप से भाग लिया। इस दौरान उन्होंने देश की सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद से लड़ने और जरूरत के समय नागरिकों व प्रशासन की मदद के लिए आगे आने के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। सेना कमांडरों में जोश भरते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना देश का सबसे भरोसेमंद और प्रेरक संगठन है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सेना कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गंगटोक जा रहे थे। मगर खराब मौसम के कारण उनकी उड़ान सिलीगुड़ी लौट आई। इसके बाद रक्षा मंत्री ने दार्जिलिंग के सुकना कैंट से वर्चुअली सेना कमांडरों को संबोधित किया। उन्होंने हर सैनिक के देश की रक्षा में दिए जा रहे योगदान की प्रशंसा की। साथ ही राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को सम्मानित भी किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना हर मुद्दे पर सहायता करती है। यह सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के साथ ही नागरिक प्रशासन की सहायता भी करती है।

महाराष्ट्र और झारखंड चुनावों में भी जीत हासिल करेगी बीजेपी

नई दिल्ली। हरियाणा में जीत से गदगद भाजपा ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में भी आगामी विधानसभा चुनावों में वह जीत हासिल करेगी। दरअसल, यह दावा किया और ने नहीं, बल्कि खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया है। बिलासपुर में श्री नैना देवी मंदिर में मत्था टेकने और कंजक पूजन करने वाले नड्डा ने कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भाजपा सरकार के प्रदर्शन से खुश हैं। नड्डा ने कहा कि आज मुझे शारदीय नवरात्रों में नवमी के दिन मां नैना देवी का आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हम सब लोग माता के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पार्टी महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों में भी जीत हासिल करेगी। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक भ्रम पैदा किया गया है। जमीनी हकीकत कुछ और थी लेकिन माहौल कुछ और ही बना और आखिरकार बीजेपी चुनाव जीत गई और जम्मू-कश्मीर में वोट शेयर बढ़ गया।

जेपीएनआईसी विवाद

अखिलेश ने जेपी के बहाने नीतीश से की एनडीए से हटने की अपील, जदयू का पलटवार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसकी सरकार समाजवादियों को जेपी को याद नहीं करने दे रही है। इसलिए बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा गठबंधन सरकार से बाहर आएं, क्योंकि नीतीश कुमार जेपी आंदोलन से ही निकले हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि सरकार जेपीएनआईसी को अपने लोगों को बेचने की साजिश कर रही है।

अखिलेश शुक्रवार को अपने आवास के बाहर जेपी को श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया के बीच अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि हर साल ही समाजवादी जेपीएनआईसी में श्रद्धांजलि देने जाते थे, पता नहीं क्या कारण है कि सरकार अब हमें रोक रही है। इसलिए हम सड़क पर खड़े होकर जेपी को याद करने के लिए मजबूर हैं। यह सरकार हर अच्छा काम रोक रही है।

अखिलेश ने कहा कि हम हर साल जेपी की जंयती मनाएंगे। यह पुलिस कब तक खड़ी रहेगी। जैसे ही पुलिस हटेगी, हम लोग फिर वहीं जाकर सम्मान करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार गूंगी बहरी तो थी ही, अब तो इसे दिखाई भी नहीं दे रहा है। यह विकासवादी नहीं, विनाशकारी सरकार है। भाजपा समाजवादियों को उनका त्योहार तक मनाने नहीं दे रही है। जो भी समाजवादी सोच के लोग सरकार में हैं, वे भाजपा का साथ छोड़ें। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी को लोहिया पार्क के बराबर में इसलिए बनाया गया था कि समाजवादी नेताओं को एक ही जगह सम्मान दे सकें। सरकार इसे बेचकर मुनाफा कमाना चाहती है।

सरकार में ही मौजूद हैं बिच्छू

यह पूछे जाने पर कि सरकार ने सुरक्षा कारणों से आपको (अखिलेश) को जेपीएनआईसी नहीं जाने दिया, अखिलेश ने कहा कि जो सरकार भेड़ियों और गुलदारों से गरीबों को नहीं बचा पा रही है, वो हमारे स्वास्थ्य की चिंता क्यों कर रही है। अगर वहां हमारी सुरक्षा को खतरा था, तो हमें सुरक्षा के साथ बाहर ले जाना चाहिए था। यह सरकार की जिम्मेदारी थी। उन्होंने कहा कि बिच्छू जेपीएनआईसी में नहीं, सरकार में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा का कोई योगदान नहीं रहा है। इसलिए स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वालों का सम्मान करने से रोका जा रहा है।

सीएम को नहीं पता जेपी का योगदान

अखिलेश ने कहा कि जेपीएनआईसी का निर्माण पूरा करके उसे जनता के लिए खोलने की जिम्मेदारी सरकार की है। अपने ठेकेदार को काम देने के बावजूद केंद्र का काम पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जेपीएनआईसी के संबंध में जांच रिपोर्ट कभी नहीं आएगी, क्योंकि इसमें उन्हीं के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सीएम को जेपी के योगदान के बारे में पता होता तो नवरात्र के दिन इस तरह से फोर्स नहीं लगाते।

अखिलेश को नहीं है सब्र

इस मामले में जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि अखिलेश यादव मध्य रात्रि में श्रद्धांजली देने पहुंचे गए। उन्हें सब्र रखना चाहिए था। अखिलेश यादव उनके मुल्यों की परवाह तो करते नहीं हैं, फिर श्रद्धांजली देने का क्या मतलब।

इमरजेंसी में विपक्ष के अगुवा बने लोक नायक जय प्रकाश नारायण की जयंती पर लगातार दूसरे साल घमासान देखने को मिला। गोमतीनगर स्थित जेपी एनआईसी के साथ ही समाजवादी पार्टी के विक्रमादित्य मार्ग स्थित कार्यालय के बाहर बेरिकेटिंग कर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।

अखिलेश यादव ने पिदले साल जय प्रकाश नाराण की जयंती पर जेपीएनआईसी सेंटर का गेट फांदकर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया था। इसके बाद वहां जमकर हंगामा हुआ था। भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता वहां जाकर जम गए थे। इसके चलते वहां दिन भर जाम जैसी स्थिति बनी रही थी। इसको देखते हुए प्रशासन ने लोक नायक की जयंती से एक दिन पहले ही जेपीएनआईसी के गेट पर टिनशेड लगवा दिए। इसकी सूचना पाकर अखिलेश यादव बृहस्पतिवार रात ही वहां पहुंचे थे। शुक्रवार को जय प्रकाश नारायण की जयंती पर जेपीएनआईसी और सपा कार्यालय के बाहर कई जगह बेरिकेटिंग करके चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात कर दी गई।

सपा कार्यकर्ताओं के भारी संख्या में पहुंचने की आशंका में प्रशासन ने जेपीएनआईसी के एक किलोमीटर का दायरा पूरी तरह से सील कर दिया। 1090 चौराहा, समतामूलक चौराहा और अंबेडकर पार्क चौराहे से किसी को भी जेपीएनआईसी की ओर नहीं जाने दिया गया। छुट्टी का दिन होने की वजह से इसके चलते कोई अव्यवस्था या जाम की स्थिति नहीं बनी। राहगीरों को लंबा चक्कर लगाकर अपने गंतव्य स्थल जाना पड़ा।

जो भारत माता की जय कहता है वो हिंदू है : विजय शर्मा

कबीरधाम। कबीरधाम में कवर्धा विधायक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा कबीरधाम जिले के दौरे पर है। वे पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कामठी में नवरात्र के मौके पर पूजा अर्चना किया है। दरअसल, कामठी गांव बीते कुछ दिनों में चर्चा में बना हुआ है। क्योंकि, इस गांव में नवरात्र में दुर्गा स्थापना को लेकर उत्पन्न विवाद ने गांव में तनाव का माहौल बना दिया था, जिसके चलते डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने स्वयं गांव का दौरा करने का निर्णय लिया। उन्होंने ग्रामीणों व आदिवासी समाज के लोगो से बातचीत की और स्थिति का आंकलन किया।

सभी मंदिरों का दर्शन किया और पूजन किया। विजय शर्मा ने कहा कि यहां फिलहाल किसी प्रकार का गतिरोध नहीं है। सर्व समाज व गोंडवाना समाज के लोगों से बातचीत की गई है। पूजा-पाठ से किसी को नहीं रोका गया है, ऐसा करना गैरकानूनी है और ऐसा करने वालों को दंडित किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि यहां मंदिरों का नाम बदला गया है तो यह गलत है। कामठी हमेशा से निर्विवाद रहा है। विवाद करने वाले वे लोग हैं

जो लोगों को मुख्य धारा से काटकर राष्ट्रविरोधी और धर्म के खिलाफ काम करना चाहते हैं।

इसी प्रकार रेंगाखार जंगल में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में उन्होंने कामठी गांव के संबंध में लोगों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मैं कामठी गांव गया था, वहां कुछ लोग विवाद कर रहे थे कि मंदिर में नहीं जाने देंगे। पूजा-पाठ नहीं करने देंगे। हमारे विकास मरकाम आए हुए थे,उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर के राज्य असम, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड में ऐसी शुरूआत किया गया था। वहां कहलवाया गया कि मैं हिंदू नहीं हूं और जितने लोगों ने कहा उनका कुछ नहीं बचा, सब होनोलूलू हो गया। ये सब यहां मत हो सोचकर मैं भी कामठी गया था। वहां के लोगों को समझाया गया। इस बात को समझने की जरूरत है कि भारत माता के आंचल में रहने वाले सभी भाई है, जो भारत माता की जय कहता है वो हिंदू है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्र के ग्राम का देर रात तक दौरा किया। वे ग्राम चिल्फी घाटी में दुर्गा पंडाल पहुंच मातारानी की पूजा अर्चना की। साथ ही रेंगाखार मंडल के ग्राम खिलाही और शीतलपानी में ग्रामवासियों से मुलाकात की। जिला कबीरधाम के रेंगाखार मंडल के ग्राम तितरी, रामपुर, रोल में दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा जी की पूजा अर्चना किया। इसी प्रकार चिल्फी-रेंगाखार-साल्हेवारा मुख्य जिला मार्ग सड़क का नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया। इस सड़क के लिए 9 करोड़ 65 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। चिल्फी रेंगाखार, साल्हेवारा मुख्य जिला मार्ग सड़क का नवीनीकरण एवं उन्नयन कार्य होने से क्षेत्र के सैंकड़ों गांवों के लिए आवागमन को सुगम बनाएगी।

कोरबा में 110 फीट ऊंचा रावण आंखें लाल कर भगवान राम को चुनौती देगा

ठहाके लगाकर सर घुमाएगा लाल मैदान में रावण

कोरबा। दशहरा का पर्व, बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा पर रावण दहन की परंपरा है। कोरबा जिले में भी सीएसईबी वेस्ट के लाल मैदान में विद्युत मंडल के कर्मचारी 110 फीट का रावण बना रहे हैं। हर साल इस मैदान के रावण का पुतला छत्तीसगढ़ के सबसे ऊंचे रावण प्रतिमाओं में से एक होता है। यह न सिर्फ कोरबा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में खासा लोकप्रिय है।

बोर्ड के इंजीनियर और कर्मचारी स्क्रैप मैटेरियल से रावण बना रहे हैं। खास बात यह है कि रावण को टेक्निकल स्वरूप देते हैं, इसलिए यहां का रावण दूसरी जगहों के रावण से कुछ अलग होता है। विद्युत मंडल के कर्मचारी इसे क्रिएटिव टच देते हैं। रावण मुंह से धुआं निकलने के साथ ही अपनी ढाल घूमाता है। रावण ठहाके लगाकर आंखें लाल भी करता है। इस तरह वह प्रभु श्री राम को चुनौती देता है। रामलीला के सांकेतिक मंचन के बाद रावण दहन का कार्यक्रम संपन्न होता है।

रावण पुतला निर्माण दल के प्रमुख बृजेश कहते हैं, बोर्ड के इंजीनियर और कर्मचारी

स्क्रैप मैटेरियल से रावण के पुतले का निर्माण करते हैं। हर साल हम यहां आने वाले लोगों को कुछ नया अनुभव कराने का प्रयास करते हैं।

सीएसईबी के कर्मचारी बृजेश विश्वकर्मा ने कहा इस वर्ष भी रावण का मुंह से धुआं निकलना और आंखें लाल करने के साथ ही रावण का पुतला खास होगा। पहली बार हम तीन पुतलों का निर्माण कर रहे हैं। क्रिएटिविटी के साथ हम पुतलों का निर्माण करते हैं।

लाल मैदान का दशहरा पर्व काफी प्रख्यात है। इस बार ऐसा पहली बार होगा, जब एक साथ तीन पुतलों का निर्माण किया गया है। 10 सर वाले रावण के साथ ही लाल मैदान में मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों का भी दहन किया जाएगा।

सीएसईबी के कर्मचारी योगेश ने कहा लाल मैदान का रावण छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े पुतलों में से एक है। आसपास के इलाकों में लाल मैदान का दशहरा उत्सव काफी फेमस है। लगभग 50 हजार की भीड़ यहां जुटती है।

रावण की ऊंचाई 110 फीट है। वहीं मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों की ऊंचाई 60 और 65 फीट रखी गई है। समिति के सदस्य अंतिम तैयारी में जुटे हैं। दशहरा के 1 दिन पहले रावण के पुतले को भी खड़ा कर दिया जाएगा। अभी रावण के पुतले को छोड़कर मेघनाथ और कुंभकरण के पुतलों को खड़ा कर दिया गया है। रावण के पुतले का निर्माण भी अंतिम चरण में है।

मां दुर्गा के प्रतीक के रूप में 9 केले के पत्तों को कराया गया स्नान

कोंडागांव। जिले के फरसगांव ब्लॉक के बोरगांव में बंग समाज दुर्गा पूजा का शुभारंभ किया गया। सुबह तालाब के पास पूजा-अर्चना के साथ पवित्र उत्सव की शुरुआत हुई। इस दौरान गांव की महिलाएं और युवतियां ढोल-नगाड़ों के साथ पारंपरिक परिधान में तालाब के पास पहुंची। पूजा के लिए मां दुर्गा के प्रतीक के रूप में तालाब के पानी से 9 केले के पत्तों को स्नान कराया गया। इसके बाद शहर में कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान कलश में जल भरकर पूजा स्थल पर स्थापित किया गया।

मां दुर्गा के प्रतीक के रूप में तालाब के पानी से नौ केले के पत्तों को स्नान कराया गया। बंगाली समाज के लिए शारदीय दुर्गा पूजा का विशेष महत्व है। षष्ठी पूजा के साथ मां दुर्गा के मुख के दर्शन होंगे, जो भक्तों के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस पूजा के साथ ही क्षेत्र में सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला भी शुरू हो गई है, जिसमें जगराता, संध्या आरती, नौ कन्या भोज और सिंदूर खेला जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। बंग समुदाय में नवरात्रि की पंचमी तिथि से दशमी तक दुर्गा पूजा का विशेष आयोजन किया जाता है। इन पांच दिनों में कई विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं जिसमें महालया और प्रतिपदा तिथि को मां पार्वती अपने नौ रूपों के साथ पृथ्वी पर अपने मायके आती हैं, जिसे महालया कहा जाता है। उनके साथ बेटी लक्ष्मी सरस्वती और बेटे गणेश और कार्तिकेय भी आते हैं। महालया के दिन मां को आमंत्रित करने के लिए समाज हर साल दुर्गा पूजा का आयोजन करता है। इस बार भी पूरे विधि-विधान से दुर्गा पूजा की जा रही है। हम माता से पूरे समाज और लोगों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना कर रहे हैं।

लीज अवधि खत्म होने के बाद किया रेत का अवैध खनन

गरियाबंद। वक्त बदल गए, हालात बदल गए। यह बात आपने कई जगह देखी, सुनी होगी, लेकिन यह परसदा जोशी के पंचायत प्रतिनिधियों के लिए हकीकत है। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ठेकेदार ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलीभगत कर रेत खदान की लीज अवधि खत्म होने के बाद भी अवैध खनन कर डाला। बीती सरकार ने तो मामले में कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन सरकार बदलने के बाद अब जिम्मेदारों को 4 करोड़ 25 हजार रुपए की वसूली का नोटिस थमा दिया है।

राजिम तहसील के परसदा जोशी पंचायत क्षेत्र के घाट में हुए बहुचर्चित अवैध रेत खनन के मामले में प्रशासन अब दोषियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अवैध खनन के खिलाफ माइनिंग विभाग ने कार्रवाई करते हुए 4 अक्टूबर को खदान के तत्कालीन ठेकेदार संकल्प जनघेल, पूर्व सरपंच परसदा जोशी और सुनीता सोनी, सरपंच पति व पंच बेनराज सोनी, ग्रामीण हार्दिक सोनवानी के नाम नोटिस तामिल किया है। नोटिस में गौण खनिज अधिनियम के उल्लंघन के कारण गरियाबंद कलेक्टर द्वारा 4 करोड़ 25 हजार रुपए अर्थ दंड अधिरोपित किया गया है, जिसे पटाना सुनिश्चित करें।

दरअसल, माइनिंग विभाग द्वारा परसदा

जोशी खदान का लीज पट्टा 17/11/21 से16/11/23 तक के लिए जारी किया गया था, लेकिन ठेकेदार व पंचायत प्रतिनिधियों ने मिलीभगत कर लीज अवधि खत्म होने के बावजूद 80 हजार घन मीटर की अवैध खुदाई कर डाली। मामले की शिकायत के बाद राजस्व विभाग की टीम ने 10 जनवरी 2024 को मौका जांच किया था। विभाग के प्रतिवेदन में स्वीकृत रेत खदान क्रमांक1 व 2 के लिए चिन्हांकित रकबा में 80 हजार घन मीटर का अवैध खनन बताया गया।

यह मामला तत्कालीन कांग्रेस सरकार की विदाई बेला में सामने आया था। तब मामले में किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई थी। नई सरकार के आने के बाद विधायक धरमलाल कौशिक ने ध्यान आकर्षण सूचना के माध्यम से 13 फरवरी को मामला सदन के पटल में रखा था। जिसके बाद प्रशासन हरकत में तो आई, लेकिन कार्रवाई करने में आठ माह का वक्त लगा दिया।

रामानुजगंज में चैतन्य देवियों की झांकी सभी स्वरूप को किया प्रदर्शित

बलरामपुर। ब्रह्माकुमारी संस्था ने गुरुवार को शारदीय नवरात्र के अवसर पर रामानुजगंज शहर के भारत माता चौक पर चैतन्य देवियों की झांकी लगाई गई। इस दौरान जीवंत स्वरूप में मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, काली, उमा सहित देवियों की झांकी प्रदर्शित किया गया। इस झांकी की खास बात यह है कि झांकी में बैठने वाली ब्रह्माकुमारी बहनें करीब चार घंटे तक एक ही मुद्रा में बैठती हैं। यह झांकी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्था ने आयोजित किया।

ब्रह्माकुमारी संस्था की बीके संजू दीदी ने बताया, जब-जब धरा पर कलयुग आता है तब मनुष्य के अंदर आसुरी प्रवृत्ति आ जाता है। उसका नाश करने के लिए शिव अपनी शक्ति को धरा पर भेजते हैं। वहीं शिव शक्तियां कैसे अपनी शक्ति को जागृत करती हैं, वो शक्तियां कैसे बनती है, उनको शक्ति कहां से प्राप्त होती है, उसी शक्ति को बताने के लिए यहां कठोर तपस्या से देवियां हम रखते हैं।

बीके संजू दीदी ने कहा हमारी संस्था में राजयोग मेडिटेशन होता है। मेडिटेशन के द्वारा हम उस परम शक्ति से आत्मा को परमात्मा से कनेक्ट करके हम उनका ध्यान करते हैं और हमारे अंदर वो अष्ट शक्तियां जागृत होती हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था की बीके संजू दीदी ने बताया कि अष्ट शक्तियों में सहन करने की शक्ति, परखने की शक्ति, निर्णय करने की शक्ति, सामना करने की शक्ति, सहयोग करने सहित अन्य शक्ति। ऐसी शक्तियां हर एक आत्मा में जागृत हो, इसलिए उस शक्ति को यहां प्रदर्शित किया गया है। आठ देवियों के रूप में यहां दिखाई सबसे पहले ब्रह्माकुमारी, दुर्गा के रूप में, काली, सरस्वती, लक्ष्मी, उमा देवी के रूप, इस तरह से शक्ति को यहां प्रदर्शित करते हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था हर साल की तरह इस साल भी चैतन्य देवियों की झांकी आयोजित कर रही है। यह झांकी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी श्रद्धालु सहित आम जन चैतन्य देवियों की झांकी को देखने के लिए पहुंच रहे हैं। 13 अक्टूबर को इस झांकी का समापन होगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

157 हाथियों का दल अलग अलग कर रहा विचरण

रायगढ़। जिले के धरमजयगढ़ वनमंडल के छाल रेंज के लोटन-एड्डकला परिसर के कक्ष क्रमांक 483 आरएफ में हाथियों का एक बड़ा दल पहुंच गया है। इस दल में शामिल 36 हाथी ग्राम बोकरामुडा के आसपास इलाकों में मौजूद हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। दशहरा और दीपावली के त्योहारी सीजन के दौरान ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। वहीं वन विभाग और हाथी मित्र दल के सदस्य लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों से सावधानी बरतने और हाथियों से दूर रहने की अपील की है। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वर्तमान में रायगढ़ जिले के जंगलों में 157 हाथी अलग-अलग दलों में विचरण कर रहे हैं, जिसमें धरमजयगढ़ वनमंडल में 143 और रायगढ़ वनमंडल में 14 हाथी शामिल हैं। इस दल में 40 नर हाथी, 79 मादा हाथी और 38 बच्चे शामिल हैं। बीती रात हाथियों के इस दल ने 37 किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिससे ग्रामीणों को भारी नुकसान हुआ है।

ट्रेन में छात्र की पिटाई करने वाले शिक्षक पर एफआईआर

धमतरी। चलती ट्रेन में एक छात्र की पिटाई करने वाले धमतरी डीपीएस स्कूल के शिक्षक श्रीमाली राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पीड़ित छात्र के परिजनों ने अर्जुनी थाना में शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस जांच शुरू कर दी है। बता दें कि बीते गुरुवार को छात्र की पिटाई का मामला सामने आया था। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षक बच्चे को गाली देते हुए और मारते हुए दिख रहा है और एक दूसरे छात्र से भी चप्पल से उस बच्चे की पिटाई करवाई। शिक्षक के इस अमानवीय व्यवहार के बाद छात्र के परिजनों ने कुरुद थाने में शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, धमतरी डीपीएस स्कूल के 171 बच्चे और 17 शिक्षक एडवेंचर ट्रेकिंग के लिए नैनीताल गए थे। वहीं से लौटते वक्त यह घटना ट्रेन में घटी। इस घटना को लेकर पीड़ित छात्र के परिजन बेहद नाराज हैं और शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों हेतु दावा आपत्ति 18 तक

नारायणपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना बेनूर अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। उक्त आवेदनों की सूची परिशिष्ट चार में तैयार कर, मूल्यांकन समिति के द्वारा सूक्ष्म परीक्षण किया गया। मूल्यांकन उपरांत दावा आपत्ति हेतु प्रावधिक मूल्याकंन सूची जारी किया गया है। प्रावधिक मूल्यांकन सूची बाल विकास परियोजना बेनूर के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है। यदि किसी आवेदक को आवेदन अथवा जारी सूची से संबधित किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो संबधित आवेदिका अपना दावा आपत्ति दिनांक 18 अक्टूबर 2024 तक कार्यालयीन समय पर प्रातः 10.30 बजे से सायं 05.30 बजे तक कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना बेनूर में डाक पत्र अथवा स्वयं उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधी पश्चात किसी प्रकार की शिकायत अथवा दावा आपत्ति प्रस्तुत करने पर विचार नहीं किया जावेगा, जिसके लिए संबधित प्रार्थी, आवेदक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

हाईकोर्ट का फैसला, स्टाफ नर्स के तबादले पर लगाई रोक

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शासकीय

कर्मचारी और अधिकारियों के हित में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस पीपी साहू की सिंगल बेंच ने स्टाफ नर्स सरस्वती साहू की याचिका पर सुनवाई करते हुए स्थानांतरण आदेश पर रोक लगा दी है। जस्टिस पीपी साहू ने फैसले में कहा कि यदि बहुत जरुरी ना हो तो शैक्षणिक सत्र के बीच में ऐसे कर्मचारी और अधिकारी जिनके बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, उनका स्थानांतरण ना किया जाए। इस फैसले से उन सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है, जिनके बच्चे शैक्षणिक सत्र के दौरान पढ़ाई कर रहे हैं। सरस्वती साहू, जो बालोद जिले के पीपरछेड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। जिनका डॉ. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल, रायपुर में स्थानांतरित कर दिया है। जिसको लेकर नर्स ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस पीपी साहू के सिंगल बेंच में हुई।

ग्रामीण के बनाए फंदे में फंसा तेंदुआ

मोहला-मानपुर। मानपुर उत्तर वन परिक्षेत्र से रायपुर जंगल सफारी भेजे गए तेंदुए की मौत हो गई है। इस घटना की पुष्टि डीएफओ मोहला-मानपुर दिनेश पटेल ने की है। बीते 8 अक्टूबर को ग्राम मेंढ़ा के एक ग्रामीण के बाड़ी में लगे फंदे में यह तेंदुआ फंस गया था। ग्रामीण नवल सिंह ने अपने पालतू जानवरों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बाड़ी में फंदा लगाया था, जिसमें तेंदुआ फंस गया। फंदे में फंसे तेंदुए की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंची। जिसके बाद तेंदुए को ट्रेंकुलाइज किया और उसे सुरक्षित पिंजरे में डालकर रायपुर जंगल सफारी भेजा गया था। हालांकि, फंदे में फंसने के कारण तेंदुए के शरीर पर गहरे घाव हो गए थे, जिससे उसकी हालत गंभीर थी। 9 अक्टूबर को तेंदुए को जीवित अवस्था में रायपुर भेजा गया, लेकिन आज तेंदुए की मौत हो गई। इस मामले में ग्रामीण नवल सिंह को हिरासत में लिया गया है। वन विभाग ने नवल सिंह के कब्जे से शिकार से संबंधित सामग्रियां भी जब्त की हैं। वन विभाग घटना की विस्तृत जांच कर रहा है।

बस्तर दशहरा व दंतेश्वरी मंदिर दर्शन के लिए 14 तक चलेगी स्पेशल ट्रेन

दंतेवाड़ा। बस्तर दशहरा एवं दंतेश्वरी मंदिर के दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए जगदलपुर से दंतेवाड़ा के बीच स्पेशल ट्रेनें जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए और इस क्षेत्र के यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए, ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन ने 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2024 तक दंतेवाड़ा-जगदलपुर के बीच जनसाधारण स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक सौरभ प्रसाद ने ईस्ट कोस्ट रेलवे मुख्यालय से अनुमोदन के साथ स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था किए हैं, जो दंतेश्वरी मंदिर के दर्शन करने के इच्छुक लोगों की सेवा करेंगे और दशहरा उत्सव के दौरान भीड़ को कम करेंगे। इन विशेष ट्रेनों में सामान्य द्वितीय श्रेणी के सिटिंग कोच शामिल हैं, लोगों

से अनुरोध है कि वे इन स्पेशल ट्रेनों का उपयोग करें और सुरक्षित यात्रा अपनाएं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के संदीप ने बताया कि ट्रेन संख्या 08513 जनसाधारण स्पेशल ट्रेन 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक जगदलपुर से 14.45 बजे प्रस्थान करेगी जो 14.54 बजे कुमार मरंगा पहुंचेगी और 14.55 बजे प्रस्थान करेगी; तोकापाल आगमन 15.04 बजे और प्रस्थान 15.05 बजे; बदेरापुर आगमन 15.12 बजे और प्रस्थान 15.13 बजे; डिलिमिली का आगमन 15.26 बजे और प्रस्थान 15.27 बजे; सिलक झोरी आगमन 15.43 बजे और प्रस्थान 15.44 बजे; कुमार सदारा आगमन 15.57 बजे और प्रस्थान 15.58 बजे; काकलूर आगमन 16.14 बजे और प्रस्थान 16.15 बजे; कावरगांव आगमन 16.34 बजे और प्रस्थान 16.32 बजे; डबपाल का आगमन 16.44 बजे और प्रस्थान 16.45 बजे; गीदम आगमन 16.59 बजे एवं प्रस्थान 17.00 बजे एवं दंतेवाड़ा 17.30 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन नंबर 08514 जनसाधारण स्पेशल ट्रेन 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक दंतेवाड़ा से 18. बजे प्रस्थान करेगी जो 18.07 बजे गीदम पहुंचेगी और 18.08 बजे प्रस्थान करेगी; दप्पल आगमन 18.23 बजे और प्रस्थान 18.24 बजे; कावरगांव आगमन 18.37 बजे और प्रस्थान 18.38 बजे; काकलूर आगमन 18.54 बजे और प्रस्थान 18.55 बजे; कुमार सदारा का आगमन 19.11 बजे और प्रस्थान 19.12 बजे; सिलक झोरी का आगमन 19.26 बजे और प्रस्थान 19.27 बजे; डिलिमिली का आगमन 19.42 बजे और प्रस्थान 19.43 बजे; बदेरापुर आगमन 19.56 बजे और प्रस्थान 19.57 बजे; तोकोपाल आगमन 20.04 बजे और प्रस्थान 20.05 बजे; कुमार मारेंगा का आगमन 20.14 बजे और प्रस्थान 20.15 बजे होगा और जगदलपुर 20.45 बजे पहुंचेगी। 3. ट्रेन नंबर 08515 जनसाधारण स्पेशल ट्रेन 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक जगदलपुर से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी जो 22.09 बजे कुमार मरंगा पहुंचेगी और 22.10 बजे प्रस्थान करेगी; तोकोपाल आगमन 22.19 बजे और प्रस्थान 22.20 बजे; बदेरापुर आगमन 22.27 बजे और प्रस्थान 22.28 बजे होगी।

दुर्गा पंडाल में जगराता के नाम पर अश्लील डांस पर शुरू हुई सियासत

कोरिया। कोरिया में नवरात्रि में जगराता के नाम पर सोनहत के बस स्टैंड दुर्गा पंडाल में हुए अश्लील डांस पर अब सियासत शुरू हो गई है। अश्लील डांस के कार्यक्रम के आयोजन के लिए भाजपा नेता और विधायक रेणुका सिंह समर्थक कार्यक्रम आयोजित करवाने के लिए विधायक रेणुका सिंह का आभार जता रहे हैं तो भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक गुलाब कमरो सोशल मीडिया में पोस्ट कर विधायक व पूर्व केन्द्रिय राज्यमंत्री पर तंज कसते हुए यह लिख रहे है कि शर्म कीजिए काल्पनिक सीएम दीदी।

गुलाब कमरो रेणुका सिंह को काल्पनिक सीएम दीदी इस लिए बता रहे है कि, रेणुका सिंह ने विधानसभा चुनाव के दौरान खुद को सीएम का चेहरा बताकर भरतपुर सोनहत विधानसभा सीट से केंद्रीय राज्यमंत्री रहते हुए चुनाव लड़ा था। विधायक रेणुका सिंह के समर्थक विधायक प्रतिनिधि व भाजपा नेता मनोज साहू ने सोशल मीडिया में यह पोस्ट किया है कि #जगराता_कार्यक्रम_सोनहत माँ आदिशक्ति दुर्गा नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम सोनहत में पूर्व केंद्रीय मंत्री व विधायक भरतपुर सोनहत रेणुका दीदी के सौजन्य से छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कलाकार जीयारानी व रंजन पांडेय #चौरा_म_गोंदा लोककला मंच कार्यक्रम में।

इस पोस्ट पर पलटवार करते हुए पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सोशल मीडिया पर यह लिखा है जिस विधानसभा क्षेत्र की विधायक खुद एक महिला हो और शक्ति की भक्ति का पर्व नवरात्र चल रहा हो उस विधानसभा क्षेत्र में जगराता के नाम पर ऐसी अश्लीलता परोसी जा रही हो वो भी पुलिस की मौजूदगी में। शर्म कीजिए काल्पनिक सीएम दीदी।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मु के छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर राजभवन में हुई बैठक

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ के 25 और 26 अक्टूबर, दो दिवसीय प्रवास के मद्देनजर राज्यपाल श्री रमेन डेका के निर्देशानुसार आज यहां राजभवन में राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार ने बैठक लेकर सभी आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राष्ट्रपति के प्रवास के दौरान सभी तैयारियां निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाना सुनिश्चित करें। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु 25 और 26 अक्टूबर को एम्स रायपुर, एन. आई. टी. रायपुर, आई. आई. टी. भिलाई और पं. दीनदयाल स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान आयुष विश्विद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। सचिव श्री यशवंत कुमार ने इस दौरान सभी शैक्षणिक संस्थानों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके अलावा रायपुर एवं दुर्ग जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, राज्य प्रोटोकॉल के अधिकारियों को भी सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर राज्यपाल की संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी सभी संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

विजयादशमी भारतीय संस्कृति में वीरता और शौर्य का प्रतीक : डॉ. रमन सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर प्रदेश वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है। अपने बधाई संदेश में डॉ. रमन ने कहा कि-विजयादशमी का पर्व सत्य की असत्य पर विजय का प्रतीक है । यह पर्व हमें समाज में व्याप्त आसुरी प्रवृत्ति को समाप्त कर शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा स्थापित करने का संदेश देता है । यह त्यौहार भारतीय संस्कृति में वीरता और शौर्य का प्रतीक है । इस दिन औजारों और हथियारों की पूजा भी की जाती है । किसानों के लिए यह त्यौहार मेहनत की जीत के रूप में आई फसलों का जश्न भी है। डॉ. रमन ने प्रदेश वासियों से आव्हान किया कि वे अपने अंदर की बुराईयों को समाप्त कर प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें ।

छत्तीसगढ़ के विधायकों को अब मिलेगा दोगुना यात्रा भत्ता, जारी की अधिसूचना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विधायकों को अब प्रति किलोमीटर यात्रा भत्ता 20 रुपए मिला करेगा। अब तक विधायकों को प्रति किलोमीटर 10 रुपए यात्रा भत्ता मिला करता है। इस संबंध में राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ विधान मण्डल यात्रा-भत्ता नियम 1957 में संशोधन किया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ विधान मंडल यात्रा भत्ता नियम, 1957 के तहत किसी विधायक का निवास स्थान राजधानी रायपुर से 8 किलोमीटर से ज?यादा दूर है, तो विधानसभा सत्र या सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपने वाहन से यात्रा करने पर उन्हें भत्ता दिया जाता है। ताजा अधिसूचना के बाद अब विधायकों को 10 रुपए की बजाए 20 रुपए प्रति किलोमीटर यात्रा भत्ता मिला करेगा।

हार्ट अटैक पर प्रेसक्लब में पत्रकारों के लिये निःशुल्क शिविर 13 को

रायपुर। वर्तमान समय में हार्ट अटैक की

घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं, आए दिन कोई न कोई ऐसा वीडियो सामने आता है, जब नाचते-गाते, चलते-फिरते या फिर बैठे-बैठे ही व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो जाती है। किसी को उसे बचाने का मौका भी नहीं मिलता है इसलिए हार्ट की जांच और देखभाल बहुत जरूरी है। हाल- फिलहाल में कई पत्रकार साथियों को भी हार्ट अटैक का सामना करना पड़ा है। हम नहीं चाहते किसी के साथ कोई अप्रिय घटना घटे इसलिए रायपुर प्रेस क्लब में 13 अक्टूबर, रविवार को मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हार्ट की विशेष तौर पर जांच की जाएगी। इसमें इको, ईसीजी और अन्य जांच बिल्कुल मुफ़्त रहेंगी। साथ ही आंखों और दांतों की भी जांच की जाएगी। इसके अलावा डॉक्टर के परामर्श के साथ जरूरी दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा।

डेंटल डॉक्टरों के निजी प्रेक्टिस, सेवा या नौकरी करना प्रतिबंधित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों एवं शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय के स्नातकोत्तर छात्र पाठ्यक्रम अवधि के दौरान निजी प्रेक्टिस, सेवा अथवा नौकरी नही कर पाएंगे। चिकित्सा शिक्षा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ स्नातकोत्तर चिकित्सा प्रवेश नियम एवं विवरणिका 2021 अनुसार इसको प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश के अंतर्गत सभी चिकित्सा महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं और प्राचार्य दंत चिकित्सा महाविद्यालय को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं इस नियम का कड़ाई से पालन करें। सभी छात्र-छात्राओं से इस संबंध में एक शपथ पत्र प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिये गये है। जो इस बात का आश्वासन देगा कि वे अपनी पाठ्यक्रम अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की अनाधिकृत निजी प्रेक्टिस, सेवा अथवा नौकरी नही करेंगे।

साइंस कॉलेज मैदान किनारे बने चौपाटी को हटाने का निर्देश

■ विधायक राजेश मूणत ने किया था लंबा आंदोलन

रायपुर। राजधानी रायपुर में भारी विवादों के बीच जीई रोड के किनारे साइंस कॉलेज मैदान के करीब 6 करोड़ की लागत से बनाए गए चौपाटी को हटाने की तैयारी है। विधायक राजेश मूणत ने रायपुर स्मार्ट सिटी परामर्शदात्री समिति की बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए हैं। अब यहां पर छात्रों के लिए ओपन रीडिंग और बच्चों के प्ले जोन का निर्माण किया जाएगा।

दरअसल, चौपाटी हटाने 15 अक्टूबर को भाजपा पार्षदों के साथ निगम घेराव की विधायक राजेश मूणत ने चेतावनी दी थी। चेतावनी के बाद अन्य विभिन्न विषयों को लेकर रायपुर स्मार्ट सिटी परामर्शदात्री समिति की शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें बैठक में चौपाटी को हटाकर यूथ हब बनाने का फ़ैसला हुआ।

विधायक राजेश मूणत ने बताया कि तत्कालीन सरकार और नगर निगम ने गलत जानकारी के साथ प्रोजेक्ट को शुरू किया। स्मार्ट सिटी को काम शुरू करने से पहले ये चेक करना होता है कि ज़मीन उनकी है या नहीं। खुद के ज़मीन पर ही निर्माण और टेंडर किया जाता

है। लेकिन ग़लत तरीके से काम किया गया है।

उन्होंने कहा कि रायपुर शहर के बीच में एजुकेशन हब है, विश्वविद्यालय, कॉलेज और लाइब्रेरी है। इनकी सरकार में कह रहे थे यूथ हब बन रहा, लेकिन यूथ हब के नाम पर कोई काम नहीं किया। विधानसभा में मुद्दा उठाया गया था। तथ्यों की जाँच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई का फ़ैसला हुआ है। चौपाटी की जगह अब यूथ एक्टिविटी के लिए प्रस्ताव दिया गया है।

दरअसल, बीते साल की शुरुआत में जीई रोड के किनारे साइंस कॉलेज के मैदान के सटकर रायपुर नगर निगम और स्मार्ट सिटी कंपनी ने चौपाटी बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसका राजेश मूणत ने विरोध करते हुए करते हुए 11 दिनों तक धरना दिया था। आंदोलन में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ। रमन सिंह के अलावा भाजपा के आला नेताओं ने मौजूदगी दर्ज कराते हुए मूणत के आंदोलन का समर्थन किया था।

लेकिन इन सबके बाद भी चौपाटी निर्माण पर रोक नहीं लगने पर मूणत ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद मूणत ने रायपुर नगर निगम और स्मार्ट सिटी कंपनी पर चौपाटी का निर्माण के संबंध में गलत तथ्य प्रस्तुत करने का आरोप लगाया था।

निगम में भाजपा पार्षदों ने भी जताया विरोध

रायपुर नगर निगम में भाजपा पार्षदों ने भी चौपाटी के विरोध में स्मार्ट सिटी ईएमडी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। पार्षदों ने कहना था कि स्थल के चारों ओर शैक्षणिक संस्थान हैं। चौपाटी में आप किसी को भी आने से नहीं रोक सकते है। ऐसे मे असामाजिक तत्व भी चौपाटी मे प्रवेश करेंगे और हमारे विद्याथी अपने आप को असुरक्षित महसूस करेंगे।

तमाम विरोध-प्रदर्शन के बाद भी चौपाटी का निर्माण बदस्तूर जारी रहा, और बीते साल अक्टूबर में दुकानों का आवंटन भी कर दिया गया। लेकिन चौपाटी का विवाद खत्म नहीं हुआ। कभी टेंडर शर्तों का उल्लंघन करने तो कभी चौपाटी में अव्यवस्था का आरोप लगता रहा है। अब जब चौपाटी को हटाने का निर्देश दिया गया है, तो माहौल में सुधार आने की उम्मीद है।

कर्मचारियों के लिए बड़ा ऐलान, हर महीने मिलेगी श्रम सम्मान राशि

रायपुर। वन विभाग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए महानवमी पर खुशखबरी है। इन कर्मचारियों के लिए श्रम सम्मान राशि के रूप में 12 ।34 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि अब वन विभाग के 6,100 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को प्रतिमाह 4,000 रुपये की दर से श्रम सम्मान राशि का लाभ मिलेगा। यह उनके कठिन परिश्रम का सच्चा सम्मान है। सीएम साय ने यह भी कहा है कि इसी वित्तीय वर्ष में पहले हमने 9 ।21 करोड़ रुपये की राशि भी आवंटित की थी। हमारी सरकार की इस पहल से इन कर्मचारियों को न केवल आर्थिक सहारा मिलेगा, बल्कि उनकी मेहनत को सम्मान और पहचान भी मिलेगी। दशहरा और दीवाली त्यौहार से पहले छत्तीसगढ़ के कर्मचारियों को लगातार खुशखबरी मिल रही है। छत्तीसगढ़ के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में वर्षों से सेवा कर रहे 421 अभियंताओं को समयमान वेतन का लाभ भी दिया गया है। अभियंताओं की मांग पर कई सालों से लंबित इस मुद्दे का समाधान कर दगिया गया है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा की पहल पर यह आदेश जारी किया गया है।

आईईडी में पैर गवाने वाले नक्सल पीड़ितों को मिला कृत्रिम पैर

आभार जताने अपने कृत्रिम पैर से चलकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निवास पहुंचे नक्सल पीड़ित

रायपुर। वनोपज संग्रहण या खेती कार्य जैसे अपनी दैनिक जीवनचर्या के बीच जंगलों के रास्ते गुजरते समय नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बमों में ब्लास्ट की अलग-अलग घटनाओं में अपना पैर गंवाकर अपाहिज की दर्दभरी जिंदगी जी रहे बस्तर के ग्रामीणों को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश व उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की पहल पर कृत्रिम पैर का संबल मिल रहा है। पहले चरण में नक्सल हिंसा प्रभावित ऐसे 6 लोगों को फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर समाज कल्याण परिसर माना कैंप रायपुर में कृत्रिम पैर लगाकर चलने की ट्रेनिंग दी गई। आईईडी ब्लास्ट में पैर खोने के बाद से चलने फिरने के लिए दूसरों पर निर्भर हो गए ये लोग अब कृत्रिम पैर पाकर इतने उत्साहित हैं कि खुद अपने पैरों से चलकर आज उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निवास अपनी खुशी व्यक्त करने पहुंचे।

उल्लेखनीय है कि बस्तर क्षेत्र के लगभग 70 नक्सल पीड़ितों ने बस्तर शांति समिति की पहल पर विगत सितंबर माह में दिल्ली जाकर जंतर मंतर में प्रदर्शन करने के साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह तथा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें आप बीती बताते हुए बस्तर में शांति की गुहार लगाई थी। वहीं दिल्ली से लौटकर वे आए तो उपमुख्यमंत्री व गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने निवास कार्यालय में एक-एक पीड़ितों से बात कर उनका हालचाल जाना था और उनका हौसला बढ़ाया था और आईईडी ब्लास्ट में पैर गवा चुके पीड़ितों के कृत्रिम पैर लगवाने के निर्देश दिए थे।

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार आईईडी ब्लास्ट में अपने अंग खोने वाले ग्रामीणों का समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ऐसे नक्सल हिंसा पीड़ितों को कृत्रिम अंग लगाने की शुरुआत हो गई है। कृत्रिम पैर लगाने के लिए बस्तर से 9 नक्सल पीड़ित का आना तय हुआ था, किंतु व्यक्तिगत कारणों से 3 पीड़ित अभी नहीं पहुंच पाए। इस प्रकार 6 नक्सल पीड़ित गुड्डु लेकाम बीजापुर, अवलम मारा बीजापुर, सुक्की मड़कम सुकमा, सोमली खत्री बीजापुर, खैरकम जोगा बीजापुर, राजाराम बीजापुर को फिजिकल रेफरल रिहैबिलिटेशन सेंटर समाज कल्याण परिसर माना कैंप रायपुर में कृत्रिम पैर लगाए गए।

कृत्रिम पैर लगने के बाद इनकी जिंदगी एक नई करवट ले रही है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के निवास पहुंचे इन नक्सल पीड़ितों ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि अब वे अच्छा महसूस कर रहे हैं। कदम-कदम पर किसी और के सहारे की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिंदगी में अब आगे बढ़ने और कुछ हासिल करने की सोच सकते हैं। हालांकि नक्सलियों ने जो छीना है उसकी भरपाई नहीं हो सकती। लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता से उन्हें कृत्रिम पैर सुलभ होने के साथ जीवन में नया उत्साह आया है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त किया।

दो हजार करोड़ का शराब घोटाला

छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस टुटेजा को नहीं मिली राहत

रायपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ में हुए दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाले मामले में प्रदेश के पूर्व आईएएस ऑफिसर अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर और अन्य दो आरोपी के खिलाफ यूपी में दर्ज मुकदमे की कार्यवाही को रद्द करने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने टुटेजा और अन्य की याचिका पर अपना फैसला सुनाया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित मामले में धन शोधन का केस रद्द कर दिया है, तो यूपी में शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई जारी रहेगी। टुटेजा और अन्य पर यूपी में दर्ज मुकदमा छत्तीसगढ़ के दो हजार करोड रुपए के शराब सिंडिकेट रैकेट के संचालन के आरोपों से जुड़ा है। ईडी ने 4 जुलाई 2023 को इस मामले में मनी लॉन्डिंग का केस दर्ज किया था। ईडी को जांच में नोएडा की एक कंपनी के बारे में जानकारी मिली है, जो छत्तीसगढ़ के आबकारी विभाग को होलोग्राम की आपूर्ति के लिए अवैध रूप से निविदायें दे रही थी।

ईडी की रिपोर्ट के आधार पर यूपी में 30 जुलाई 2023 को अनिल टुटेजा और अन्य पर थाना कासना, ग्रेटर नोयडा में मुकदमा दर्ज किया गया था। 8 अप्रैल 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की जुलाई 2023 की धन शोधन शिकायत को इस आधार पर खारिज कर दिया कि इसमें कोई पूर्व निर्धारित अपराध नहीं था। इसके बाद मामले में चार आरोपियों यानी अनिल टुटेजा, अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी और निरंजन दास ने यूपी पुलिस की एफआईआर को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान की घोषणा

रायपुर। हिंदी व्यंग्य साहित्य में नवोदित लेखकों को पहचान और प्रोत्साहन देने के लिए गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान की घोषणा की गई है। इस सम्मान का उद्देश्य हिंदी साहित्य के व्यंग्य विधा में उत्कृष्टता को पहचानना और प्रोत्साहित करना है, ताकि युवा लेखक अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित कर सकें और व्यंग्य साहित्य के विकास में अपना योगदान दे सकें।

गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान हिंदी साहित्य के व्यंग्यकारों के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से युवा पीढ़ी के लेखकों को प्रोत्साहन मिलेगा और व्यंग्य साहित्य के रचनाकारों का गौरव बढ़ेगा। इस पहल के तहत समकालीन व्यंग्यकारों की रचनाओं की मौलिकता और लेखन की प्रगति को समझने का अवसर मिलेगा।

गिरीश पंकज देश के प्रख्यात व्यंग्यकार हैं। उनकी 100 से अधिक किताबें प्रकाशित और प्रसारित हो चुकी हैं। उनकी रचनाओं पर अनेक विद्यार्थी शोध कर रहे हैं, जो उनके व्यंग्य साहित्य में योगदानों के प्रभाव एवं महत्ता को दर्शाता है। इस सम्मान के माध्यम से, हिंदी व्यंग्य लेखन को प्रोत्साहन देना और युवा लेखकों को प्रतिष्ठा प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है।

गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान के संस्थापक एवं संयोजन समिति के अध्यक्ष रुसेन कुमार ने

बताया कि गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य 40 वर्ष से कम आयु के प्रतिभावान व्यंग्यकारों को प्रोत्साहित कर हिंदी साहित्य के व्यंग्य लेखन को बढ़ावा देना है। विजेता को रु 21,000/- की नकद राशि, सम्मान पत्र, तथा यात्रा एवं ठहरने का व्यय आयोजकों द्वारा वहन किया जाएगा।

इस सम्मान की स्थापना की घोषणा अक्टूबर 2024 में की गई है और प्रविष्टियाँ आमंत्रित की जा रही हैं। उम्मीदवारों को अपनी प्रविष्टि जमा करने के लिए तीन माह का समय दिया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 15 जनवरी 2025 है। प्रविष्टियाँ साहित्यिक पत्रिकाओं, अखबारों, सोशल मीडिया, और वेबसाइट के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित की जा रही हैं।

प्रत्येक लेखक को अपनी रचनाओं की तीन प्रतियाँ भेजना अनिवार्य है, साथ ही विस्तृत परिचय और कवरिंग लेटर भी आवश्यक है। प्रविष्टियाँ रुसेन कुमार, संयोजक एवं अध्यक्ष, गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान समिति को भेजनी होंगी।

इस सम्मान के लिए उम्मीदवार की आयु 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। प्रविष्टियाँ हिंदी भाषा में व्यंग्य साहित्य में प्रकाशित रचनाएँ होनी चाहिए, जो 2022, 2023 एवं 2024 में प्रकाशित हुई हों। चयन प्रक्रिया में प्राप्त प्रविष्टियों की स्क्रूटनी एक चयन समिति द्वारा की जाएगी, जिसमें अनुभवी साहित्यकार, आलोचक, और पत्रकार शामिल होंगे। शॉर्टलिस्ट की गई प्रविष्टियों की समीक्षा कर उन्हें गिरीश पंकज जैसे प्रमुख साहित्यकारों के कार्यों से तुलना की जाएगी।

पुरस्कार की घोषणा मार्च 2025 में की जाएगी और सम्मान समारोह जून 2025 में रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित होगा। विजेता को सम्मान श्री गिरीश पंकज के हाथों प्रदान किया जाएगा। सम्मान प्राप्त करने वाले व्यंग्यकार को 20 मिनट का मुख्य वक्तव्य देना होगा, जिसकी लिखित प्रति पूर्व में ही प्रस्तुत करनी होगी ताकि उसका प्रकाशन स्मारिका में किया जा सके। सम्मान योजना की पूरी जानकारी देखने के लिए गिरीश पंकज व्यंग्य सम्मान पर जाएँ।

महादेव सट्टा एप का मुख्य सरगना सौरभ चंद्राकर दुबई से गिरफ्तार

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा एप का मुख्य सरगना को पुलिस ने दुबई से गिरफ्तार कर लिया। महादेव सट्टा एप से हुए छह हजार करोड़ रुपये के घोटाले का मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर दुबई से गिरफ्तार हुआ है। यह कार्रवाई इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई है। मामले में ईडी, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने मिलकर बड़ी कार्रवाई की है।

पूर्ववर्ती कांग्रेस की भूपेश सरकार में पांच साल तक राज्य में सीबीआई के बैन के बाद दिसंबर 2023 में सूबे में सत्ता बदलने के बाद बीजेपी सरकार ने राज्य में पांच से लगे बैन को हटा दिया था। पांच साल बाद छत्तीसगढ़ में सीबीआई ने दस्तक दी। अक्टूबर 2022 में कांग्रेस की भूपेश सरकार के दौरान ईडी ने महादेव सट्टा एप मामले की जांच शुरू की थी। दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर में पुलिस ने पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। इन्हीं केस के आधार पर ईडी ने मनी लांड्रिंग का मामला दर्ज कर जांच की फाइल को आगे बढ़ाया था।

महादेव बेटिंग एप ऑनलाइन सट्टेबाजी के लिए बनाया गया है। इस पर यूजर्स पोकर, कार्ड गेम्स, चांस गेम्स नाम से लाइव गेम खेलते थे। एप के जरिये क्रिकेट, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल जैसे

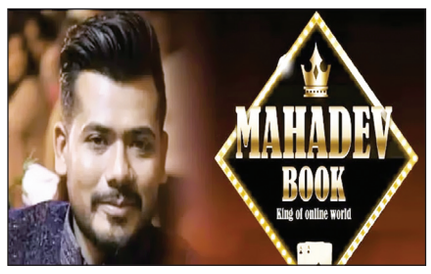

खेलों और चुनावों में अवैध सट्टेबाजी भी की जाती थी। अवैध सट्टे के नेटवर्क के जरिये एप का जाल तेजी से फैला और सबसे ज्यादा खाते छत्तीसगढ़ में खुले। इस एप से धोखाधड़ी के लिए एक पूरा खाका बनाया गया था। इस मामले में रणवीर कपूर पर भी अवैध रूप से पैसे बनाने का आरोप लगा है। इसे लेकर ईडी ने कार्रवाई की है।

महादेव बेटिंग ऐप कई ब्रांच से चलता था। छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल महादेव ऑनलाइन बुक एप के मेन प्रमोटर हैं। ये अपनी गतिविधियां दुबई से संचालित करते थे। हर ब्रांच को सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल फ्रेंचाइजी के रूप में बेचते थे। यूजर को सिर्फ शुरुआत में फायदा और बाद में नुकसान होता। फायदे का 80त्न हिस्सा दोनों अपने पास रखते थे। इसे ऐसे बनाया गया था कि सिर्फ 30 फीसदी यूजर जीतते, बाकी हार जाते। इस एप के जरिए हुई कमाई को हवाला के जरिए होटल कारोबार और फिल्मों में लगाया गया।

दरअसल, इस एप से जो भी काली कमाई होती थी उसे प्रमोटर बॉलीवुड फिल्मों और होटल के व्यापार में करते थे। धीरे-धीरे रवि और सौरभ की बॉलीवुड हस्तियों से पहचान हो गई। अब बारी आती है दुबई में हुई सौरभ की आलीशान शादी की। एजेंसी की मानें, तो सौरभ ने अपनी शादी में परफॉर्मेंस के लिए कई बॉलीवुड हस्तियों को बुलाया। यही नहीं सौरभ ने सेलेब्स को नागपुर से दुबई ले जाने के लिए कई प्राइवेट जेट्स तक हायर किए थे। एप प्रमोटर ने अपनी शादी में परफॉर्मेंस के लिए 200 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि नकदी के रूप में दी। डिजिटल भुगतान से हुए खुलासे के मुताबिक अकेले 112 करोड़ रुपये हवाला के जरिए इवेंट मैनेजमेंट कंपनी आर-1 इवेंट्स को दिए गए। वहीं 42 करोड़ रुपये की होटल बुकिंग नकद भुगतान करके की गई थी। ईडी ने बॉलीवुड सेलेब्स रणबीर कपूर, श्रद्धा कपूर, कपिल शर्मा, हिना खान और हुमा कुरैशी को पूछताछ के लिए बुलाया था।

शिवनाथ नदी में विसर्जन के लिए निगम की तैयारी पूरी

दुर्ग। माता दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर दुर्ग निगम की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा शारदीय नवरात्रि उत्सव के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर विराजे माता दुर्गा की प्रतिमाओं को पूर्ण विधि-विधान के साथ विसर्जित कराने के लिए नगर निगम द्वारा विसर्जन शिवनाथ नदी सहित शहर के कुछ तालाबों को चिन्हित कर व्यापक व्यवस्थाएं की हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कोण्डागांव जिला - कोण्डागांव (छ.ग.)
(Phone no. 07786-296071, Email id eekon-phe-cg@gov.in)

नि.सू.क्र. 08/व.ले.लि./का.अ. / लो.स्वा.यां. / खण्ड / 2024 कोण्डागांव, दिनाँक 07.10.2024

-:: मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना ::-

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल की ओर से जिला कोण्डागांव में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सरल क्र. 01 से 06 में (05 विकासखण्डों हेतु) में प्रत्येक में क्रमशः रु. 12.32, 12.32, 13.86, 12.32, 13.86, 12.32 लाख की पेयजल व्यवस्था हेतु नलकूप खनन कार्य की मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 21.10.2024 सायं 05:30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
कोण्डागांव (छ.ग.)

जी-242503102/2

दलितों की पसंदीदा पार्टी कैसे बन गयी भाजपा?

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया। इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है। इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा। भाजपा ने आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान से उपजे विवाद को खूब तूल दिया जिससे कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है। अगर आप जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि भाजपा ने जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया है जबकि हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 में से आठ सीटों पर कब्जा किया है। यह दर्शाता है कि दलित समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ फिर खड़ा हो गया है। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पांच सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। जम्मू और कश्मीर में 2014 के विधानसभा चुनावों में (2022 में परिसीमन से पहले जिसके परिणामस्वरूप सीटें 83 से बढ़कर 90 हो गईं) भाजपा ने जम्मू में एससी के लिए आरक्षित पांच सीटें जीतीं थीं और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। चुनाव परिणाम वाले दिन जब शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पर विजयी संबोधन दिया था तब उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के दमदार प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला था। देखा जाये तो हरियाणा में कांग्रेस को दलितों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरियाणा में पार्टी के सबसे बड़े दलित चेहरे कुमारी शैलजा की बजाय भूपिंदर सिंह हुड्डा को सीएम पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। हम आपको याद दिला दें कि हुड्डा के पिछले दो कार्यकालों की पहचान जाटों के दबदबे के रूप में की जाती है। हुड्डा के कार्यकाल में दलितों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं, विशेषकर मिर्चपुर में दो दलितों की हत्या की घटना लोगों के मन में ताजा थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इन घटनाओं का जिक्र तो किया ही साथ ही कांग्रेस पर दलित पृष्ठभूमि के कारण शैलजा को हाशिए पर रखने का आरोप भी लगाया। भाजपा ने राज्य में दलितों के उप-वर्गीकरण की मांग का भी समर्थन किया।

हिंदुत्व की विचारधारा ने खिलाया कमल

मृत्युंजय दीक्षित

सभी मीडिया सर्वेक्षणों, एग्जिट पोल तथा पोल पंडितों को धता बताते हुए भारतीय जनता पार्टी ने जिस प्रकार हरियाणा के चुनावों में लगातार तीसरी बार भारी बहुमत के साथ सरकार बनाने में सफलता प्राप्त की है उसकी गूंज दूर-दूर तक सुनाई दे रही है। लोकसभा चुनावों में 240 पर सिमट जाने के बाद कांग्रेस और इंडी गठबंधन का लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि और नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न लगा रहा था और कांग्रेस नेता राहुल गांधी कह रहे थे कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का आत्मविश्वास हिला दिया है अब प्रधानमंत्री मोदी पहले जैसे नहीं रहे किंतु आठ अक्टूबर को आए हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणामों ने बाजी पलट कर रख दी है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व हिंदू धर्म के खिलाफ नफरत का जहर घोलने वालों, अग्निवीर से लेकर फ्री राशन जैसी सरकारी नीतियों के खिलाफ दुष्प्रचार करने वालों को पर्याप्त संकेत मिल गया है। हरियाणा की जनता ने निराशावादियों की ओर से फैलायी जा रही निराशा को उन्हीं की ओर वापस फेंक दिया है। हरियाणा के परिणामों से पूरे भारत की जनता आनंदित है। हरियाणा में भाजपा की यह जीत कई मायने में ऐतिहासिक और परिणाममूलक है क्योंकि इस विजय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों में एक नये उत्साह का संचार हुआ है जो आगामी सभी विधानसभा चुनावों झारखंड, महाराष्ट्र और फिर दिल्ली के विधानसभा चुनावों की तैयारी लगे हैं। वहीं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी बीजेपी अब यूपी की 10 विधानसभा सीटों को जीतने के लिए नये उत्साह व मनोयोग के साथ मैदान में उतरने जा रही है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों में योगी को घेरने की दृष्टि से बसपा जोर आजमाइश करने

की तैयारी करने जा रही थी किंतु हरियाणा में गठबंधन के साथ उसको जोरदार झटका लगा है और अधिकांश सीटों पर जमानतें जब्त हो गई हैं। हरियाणा की जनता ने बसपा की विचारधारा को नकार दिया है।

चुनाव परिणाम आने के पश्चात विजयी और पराजित दोनों ही पक्षों ने अपनी अपनी समीक्षा प्रारम्भ कर दी है। हरियाणा में भाजपा ने विधानसभा चुनावों में पूरा ध्यान बूथ प्रबंधन पर रखा, कई क्षेत्रों में तो में सरपंची स्तर की तरह चुनाव लड़ा जिसका बड़ा लाभ चुनाव परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। वहीं कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विजय संकल्प यात्रा निकाली किंतु राहुल गांधी के ओछे बयानों व हरकतों से हुड्डा की रणनीति परवान नहीं चढ़ पाई। भाजपा की ओर से प्रधानमत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में प्रचार किया गया। भाजपा ने 150 रैलियां की जबकि कांगेस ने 70। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिह हुड्डा को आगे किया किन्तु कुमारी शैलजा के साथ उनकी अनबन से कांग्रेस की आंतरिक कलह बाहर आ गई।

संघ व योगी की जनसभाओं ने मचाया धमाल- विश्लेषकों का अनुमान है कि हरियाणा विधानसभा चुनावों में संघ का सक्रिय सहयोग भाजपा की बड़ी जीत में अहम रहा है। भाजपा और संघ के नेताओं की समन्वय बैठक हो जाने के बाद डा. मोहन भागवत ने भी तीन दिन तक हरियाणा का प्रवास किया गया और इसका स्वयंसेवकों के बीच सकारात्मक संकेत गया। हरियाणा में संघ ने हिंदू समाज को एकजुटता का संदेश देते हुए 16 हजार जनसभाएं करके वातावरण बना दिया। हरियाणा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अदृष्य शक्ति के रूप में भाजपा की सहायता कर रहा था।

हरियाणा में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं की बहुत मांग थी और उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ आ रही थी। योगी जी ने 14 सीटों पर प्रचार किया और उनमे से नौ सीटों पर विजय मिली है। योगी जी ने हिंदुओ को एकजुट होकर राष्ट्र के लिए वोट देने की अपील की थी। योगी जी ने अपनी रैलियों में बटेंगे तो कटेंगे का मर्म समझाकर वातावरण बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। योगी जी ने अपनी एक रैली में कहा कि हमें राष्ट्र के लिए एक होना पड़ेगा, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हुए अत्याचारों का मुद्दा भी उठाया, योगी जी ने स्पष्ट रूप से अपील करते हुए कहा कि अगर हम बाटेंगे तो कटेंगे, अगर हिंदू एक नहीं होंगे तो हमारे देश का हाल भी बांग्लादेश जैसा हो जाएगा। योगी जी ने राम मंदिर पर बयान दिये। योगी आदित्यनाथ जी के भाषणों व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयासों से हरियाण में हिंदू जनमानस एकजुट हो गया और उससे मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाले दलों के होश उड़ गये।

हरियाणा में हिंदू जनमानस को राहुल गांधी के अटपटे बयानों के कारण भी एकजुट होना पड़ गया क्योंकि हरियाणा की जनसभाओं में राहुल गांधी ने अयोध्या में राम मंदिर का एक बार फिर विकृत तरीके से अपमान करते हुए कहा कि वहां पर मंदिर का उद्घाटन हो रहा थ तब वहां खुल रहा था और नाच गाना चल रहा था। इस बयान का हरियाणा की रामभक्त जनता पर विपरीत असर पड़ा और परिणाम सबके सामने है। राम मंदिर पर राहुल गांधी के बयान हरियाणा कांग्रेस के लिए सबसे बड़े पनौती सिद्ध हुए। इसके अतिरिक्त कांग्रेस के मुस्लिम विधायक कह रहे थे कि सरकार आई तो हिंदुओं को देख लेंगे। जूनियर हुड्डा बीजेपी नेताओं को जेल भेजने की धमकी दे रहे थे। कांग्रेस ने चुनाव जीतते ही तथाकथित किसानों के लिए शंभू बार्डर खोलने का ऐलान किया था। कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने अमेरिका में जाकर जमकर भारत विरोधी बयानबाजी की और यहां तक कह डाला कि जब उन्हें आभास होगा कि अब भारत के हालात अच्छे हो गये हैं तब वह आरक्षण समाप्त कर देंगे, बदल देंगे और इस प्रकार वह अपने ही बुने जाल में फंस गये क्योंकि लोकसभा चुनाव में वह बीजेपी पर आरोप लगा रहे थे कि अगर बीजेपी 400 पार चली जायेगी तो आरक्षण समाप्त कर देगी। हरियाणा की जनता को कांग्रेस परिवार की बकवास पसंद नहीं आई और उन्होंने अपने युवा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ही एक बार फिर अपना समर्थन दे दिया। हरियाणा चुनावों के समय ही कांग्रेस शासित राज्यों की सरकारों व कांग्रेस के लोकलुभावन वादों की पोल खुल गई। हिमाचल प्रदेश में अवैध मस्जिदों के खिलाफ हिंदू समाज सड़क पर उतर आया जिसका असर भी हरियाणा में अवश्य पड़ा है।

विपक्ष सहित बहुत से तथाकथित राजनैतिक विश्लेषक आठ अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता को समाप्त घोषित करने की तैयारी में जुटे थे, कुछ लोग उनके इस्तीफे की घोषणा सुनना चाहते किंतु उनका यह सपना पूरी तरह टूट चुका है।

एकात्मता के स्वर — अयोध्या

कोसल नाम से प्रसिद्ध एक बहुत बडा जनपद है, जो सरयू नदी के किनारे बसा हुआ है, जो प्रचुर धनधान्य से सम्पन्न, सुखी और समृद्धशाली है। उसी जनपद में समस्त लोको में विख्यात अयोध्या नगरी है जिसे मनुना मानवेन्द्रेण या पुरी निर्मिता स्वयम्।। स्वयं महाराज मनु ने बनवाया और बसाया था। अयोध्यापुरी आयता दश च द्वे च योजनानि महापुरी।। बारह योजन लम्बी व तीन योजन चौडी थी। महाराजा मनु के बाद सूर्यवंश के अनेक चक्रवर्ती सम्राटों की राजधानी रही। जिन्होंने यहाँ हजारों लाखों वर्षों तक शासन किया। सम्राटों की इसी श्रृंखला में चक्रवर्ती नरेश दशरथ ने इस नगरी को राजधानी बनाकर शासन किया। जिनके यहाँ राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का पुत्र के रूप में जन्म हुआ। इस पुरी में बाहर के जनपदों को जाने वाले चौडे मार्गों पर प्रतिदिन जल का छिड़काव होकर खिले हुए फूल बिखेरे जाते थे। राष्ट्र की वृद्धि करने वाले राजा दशरथ ने धर्म और न्याय के बल से इन्द्र की अमरावती पुरी के समान सँवारा था। पुरी के सभी दरवाजों पर बड़े-बड़े फाटक थे। समतल भूमि पर बसी पुरी में सतमहले प्रासाद बने हुए थे। ऊँची-ऊँची अट्टालिकाओं पर सुरक्षा के लिए सैकडों शतघ्नियाँ (तोपें) रखी रहती थीं। उसके चारों ओर गहरी खाई खुदी थी, जिसमें प्रवेश करना या जिसे लाँघना किसी के लिए भी अत्यन्त कठिन था। शौर्य की अधिकता के कारण अग्नि के समान दुर्धर्ष, कुटिलता से रहित अपमान को सहन करने में असमर्थ तथा अस्त्र-शस्त्रों के ज्ञाता योद्धाओं के समुदाय से वह पुरी उसी तरह भरी-पूरी रहती थी, जैसे पर्वतों की गुफा सिंहों के समूह से परिपूर्ण होती है। वहाँ तीन योजन के विस्तार वाली अयोध्या में दो योजन भूमि तो ऐसी थी जहाँ पहुँचकर किसी के लिये भी युद्ध करना असंभव था। जिससे कोई युद्ध में जीत न सके या जिसे युद्ध करके कभी भी न जीता जा सके इसी से इसका नाम अयोध्या पड़ा। उस उत्तम नगर में निवास करने वाले सभी मनुष्य प्रसन्न, धर्मात्मा, बहुश्रुत, निर्लोभ, सत्यवादी तथा स्वधर्माचरण का पालन करते हुए अपने-अपने धन से संतुष्ट रहने वाले थे। अयोध्या में कहीं भी कामी, कृपण, कूर, मूर्ख और नास्तिक मनुष्य देखने को नहीं मिलता था। वहाँ कोई भी कुण्डल मुकुट और पुष्पहारों से शून्य नहीं था। न ही कोई अपवित्र अन्न भोजन करने वाला, दान न देनेवाला तथा मन को काबू में न रखने वाला मनुष्य था।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्यायः

गतांक से आगे...

(मत्स्य 166 ।1) अर्थात् (क) सब प्राणियों में सर्वप्रथम ब्रह्मा उत्पन्न हुवे। (ख) विश्व के कर्ता और भुवन के रक्षक श्री ब्रह्मा जी समस्त देवताओं में प्रथम उत्पन्न हुये। (ग) जिस परमात्मा ने सर्वप्रथम ब्रह्मा (क) ओमित्येतदक्षरमिद7 सर्वं तस्योपव्याख्यानम् । (माण्डूक्य 1) (ख) सर्वे वेदा यत्पदमामनन्ति तपांसि सर्वाणि च यद् वदन्ति । यदिच्छन्तो ब्रह्मचर्यं चरन्ति तत्ते पदं संग्रहेण ब्रवीभ्योमित्येतत् ।। (कठ 1।15) (ग) वेदः प्रणव एवाग्रे । (घ) ततोऽभूत्त्रिवृदोङ्कारः । (ङ) सर्वमन्त्रोपनिषद् वेदबीजं सनातनम् । (च) स (ब्रह्मा) ग्रोमित्येतदक्षरमपश्यत् । अर्थात् (क) ? यह एक अक्षर सब कुछ है और इसी एक अक्षर की व्याख्या समस्त वेद हैं। (ख) सब वेद जिस पद का वर्णन करते हैं जिसके लिए समस्त तप किये जाते हैं तथा ब्रह्मचर्य आदि व्रत धारण किये जाते हैं, वह पद संक्षेप में केवल %?% यह एक अक्षर है। (ग) सृष्टि के आरम्भ में प्रणव ही वेद था। (घ) इसके अनन्तर तीन मात्रा वाला ओंकार उत्पन्न हुआ । (ङ) जो समस्त मन्त्रों, उपनिषदों का सनातन वेदबीज है। (च) ब्रह्मा जी ने ओम् इस अक्षर को देखा । उपयुक्त प्रमाण हमारे पूर्व कथन के सोलहों आने समर्थक हैं। इसके अतिरिक्त ओंकार के विनियोग में- ओंकारत्य ब्रह्मा ऋषि इत्यादि द्वारा भी हमारी विवेचना की समूलकता स्पष्ट है। इसलिए अब किसी भी विचारशील को प्रणव के आदिमवेद होने में सन्देह नहीं रह सकता । तथास्तु, ओंकार से गायत्रीरूप वेद? कार में - अ--उ--म् ये तीन वर्ण माने जाते हैं- यह सभी विद्वान् भलीप्रकार जानते हैं। प्रत्येक वर्ण की व्याख्या गायत्री का एक 2 पाद है । इस प्रकार त्रिपदा ब्रह्म-गायत्री ही वेदों का दूसरा स्वरूप है। अतएव शास्त्रों में गायत्री को वेदमाता के नाम से पुकारा गया है यथाः- (क) आगच्छ वरदे ! देवि ! त्र्यक्षरे ! ब्रह्मवादिनि ! गायत्रि ! छन्दसां मातः ! ब्रह्मयोनि नमोस्तु ते । **(क्रमशः)**

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा

रमेश सर्राफ धमोरा

दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व

शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है।

भगवान श्रीराम सच्चाई के प्रतीक है और रावण बुराई की शक्ति का। देवी दुर्गा के पूजा के साथ हिन्दू लोगों के द्वारा यह महान धार्मिक उत्सव और दस्तूर मनाया जाता है। इस पर्व को पूरे देश में मनाने की परंपरा और प्रक्रियां अलग-अलग है। भगवान श्रीराम युद्ध की देवी मां दुर्गा के भक्त थे, उन्होंने युद्ध के दौरान पहले नौ दिनों तक मां दुर्गा की पूजा की और दसवें दिन दुष्ट रावण का वध किया। इसके बाद श्रीराम ने भाई लक्ष्मण, भक्त हनुमान, और बंदरों की सेना के साथ एक बड़ा युद्ध लड़कर सीता को छुड़ाया। इसलिए विजयादशमी बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण दिन है। इसके अलावा विजयदशमी को विजया तिथि कहा गया है। मान्यता है कि यह दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए बेहद शुभ होता है।

विजयदशमी, जिसका मतलब है कि आपने तमस, रजस या सत्व तीनों ही गुणों को जीत लिया है, उन पर विजय पा ली है। आप इन तीनों गुणों से होकर गुजरे, तीनों को देखा, तीनों में भागीदारी की, लेकिन आप इन तीनों में से किसी से भी, किसी भी तरह जुड़े या बंधे नहीं, आपने इन पर विजय पा ली। यही विजयदशमी है- आपकी विजय का दिन।

तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रहा मध्य-पूर्व?

रहीस सिंह

ईरान और इजराइल सधा हुआ युद्ध लड़ना चाहते हैं अथवा वे युद्ध के साथ बचने के रास्ते भी तलाश रहे हैं? क्या इस निष्कर्ष पर पहुंचना थोड़ी जल्दबाजी होगी कि मध्य-पूर्व का टकराव तीसरे विश्वयुद्ध में बदल सकता है? पिछले दिनों इजराइली प्रधानमंत्री ने यूएन जनरल असेंबली में कहा था कि लक्ष्य पूरा होने तक हमले जारी रहेंगे। दूसरी तरफ ईरान के विषय में अभी यह पूरी तरह से तय नहीं है कि वह सीधे लड़ेगा अथवा प्रॉक्सी युद्ध को और अधिक ताकत देगा। हालांकि उसका सीधे लड़ना मुश्किल होगा क्योंकि सैन्य इनवेजन के जरिए वह लड़ नहीं सकता और हवाई युद्ध में वह इजराइल के सामने टिक नहीं पाएगा। ऐसी स्थिति में अभी किन्हीं परिणामों तक पहुंचना जल्दबाजी होगी। दूसरी तरह इजराइल को लें तो सवाल यह उठता है कि इजराइल का असली दुश्मन कौन है?

असली दुश्मन हिजबुल्ला और हमास नहीं हैं बल्कि ईरान है। जैसा कि कभी इजराइली प्रधानमंत्री बेनेट कह चुके हैं कि तेहरान ऑक्टोपस का सिर है तो लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूती की तरह उसका हाथ है। तो ऐसा तो नहीं है कि ईरान के प्रॉक्सी से निरंतर युद्ध करके इजराइल खुद को थका डालने का रिस्क ले रहा है?

वैसे इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में सैन्य इनवेजन शुरू कर दिया है, यह संभवतः उसके हित में नहीं होगा। ठीक वैसे ही जैसे कि वियतनाम युद्ध अमेरिका के हित में नहीं रहा था। हालांकि इजराइल एयर स्ट्राइक्स को हिजबुल्ला के रॉकेट और मिलिट्री

स्टैब्लिशमेंट को ध्वस्त करने के लिए जरूरी मानता है, जो है भी क्योंकि हिजबुल्ला लेबनानी नागरिकों को 'ह्यूमन शील्ड' की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

वह अपने मिसाइल और रॉकेट्स को इनके यहां छुपा कर अटैक करता है। लेकिन ईरान इसे इजराइल द्वारा किया गया 'मास मर्डर' मानता है जिसका बदला लेने के लिए वह प्रतिबद्ध है। वह इजराइल को कई बार चेतावनी दे चुका है कि वह रेड लाइन क्रॉस कर चुका है। अब देखना यह है कि वह इजराइल के खिलाफ 'ऑल आउट वार' का चुनाव करता है या फिर प्रॉक्सी वॉर के जरिए ही आगे बढ़ेगा?

यह सवाल बार-बार आता है कि युद्ध के नतीजे किसके पक्ष में जाएंगे? प्रथमदृष्टया तो इजराइल उत्तर आता है। पिछले नतीजे देखें तो इजराइल ने डिफेंस स्ट्रैटेजी, रियल टाइम इंटेलिजेंस और रियल टाइम टारगेट, रणनीति के जरिए हमास और हिजबुल्ला पर बड़ी विजय प्राप्त करने में सफलता पाई है। ध्यान रहे कि 1992 से 2006 के बीच नसरल्ला और हिजबुल्ला की प्रगति को देखते हुए इजराइल ने यह समझ लिया था कि हिजबुल्ला को खत्म करना आसान नहीं है। इसलिए उसने हिजबुल्ला को कमजोर करने के लिए उसके कमांडरों को मारने की रणनीति अपनाई।

यह एक लंबी रणनीति थी जिसे आप 'मोइंग द ग्रास स्ट्रैटेजी' नाम दे सकते हैं। इजराइल सतत रूप से इस पर कार्य करता रहा जिसमें रियल टाइम इंटेलिजेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण पेजर बम है जिसमें लगभग 3000 हिजबुल्ला लड़ाके घायल हुए। इसी की वजह से इजराइल 'रियल टाइम टारगेट' रणनीति में सफल हुआ और 27 सितंबर को बेरूत में बम गिराकर नसरल्ला को मारने में सफल रहा। अब देखना होगा कि ईरान की फॉरवर्ड डिफेंस डॉक्ट्रिन और इजराइल की बेगन डॉक्ट्रिन में कौन सी ज्यादा बेहतर परिणाम लाएगी। उल्लेखनीय है कि 1979 की इस्लामी रिवोल्यूशन के बाद ईरान में स्थापित इस्लामी स्टैब्लिशमेंट ने इजराइल को 'इललेजिटिमेट जाइनिस्ट रेजीम' माना और उसके खिलाफ एक प्रॉक्सी युद्ध आरंभ करने के लिए हिजबुल्ला और हमास जैसे लड़का समूहों को स्थापित किया जो उसकी 'फारवर्ड डिफेंस डॉक्ट्रिन' का परिणाम थे।

यह डॉक्ट्रिन कहती है कि आप अपने पॉवर को बॉर्डर्स के बाहर कैसे इस्तेमाल करें, वह भी बिना प्रत्यक्ष युद्ध अथवा टकराव के। इस तरह से ईरान ने प्रॉक्सी का निर्माण किया। इसी दौर में ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू कर मध्य-पूर्व में न्यूक्लियर ताकत बनने की कोशिश की। इजराइल यह अच्छी तरह से जानता था कि ईरान यदि अपने इस मिशन में सफल हो गया तो वह इजराइल को बहुत नुकसान पहुंचाएगा।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सुन्नी दुनिया के देश भी यह नहीं चाहते थे कि ईरान एक न्यूक्लियर पॉवर बने इसलिए इजराइल ने 'बेगन डॉक्ट्रिन' की शुरुआत की जिसका उद्देश्य था अपने आसपास के देशों में 'मॉस डिस्ट्रक्शन' यानी न्यूक्लियर हथियारों के निर्माण संबंधी गतिविधियों को रोकना। इस दृष्टि से ईरान और इजराइल दोनों ही अपने मकसद में कामयाब रहे।

इसके बावजूद, इजराइल एक तरफ हिजबुल्ला, दूसरी तरफ हमास और तीसरी तरफ हूती और ईरान से घिरा हुआ है। पहली तीनों शक्तियां इजराइल को लगातार टक्कर दे रही हैं। यह कुछ तालिबानियों जैसा ही है जिनके गुरु ने कभी कहा था कि हम अमेरिका को हरा नहीं सकते लेकिन थका सकते हैं। कमोबेश तालिबान जैसा स्ट्रक्चर हिजबुल्ला का भी है।

यह बिखरा हुआ है लेकिन इसकी अपनी मिलिट्री स्ट्रेंथ है जो इजराइल से लंबे समय तक लड़ सकती है। उसके पास बड़ी संख्या में प्रशिक्षित लड़ाके हैं। उसके पास बड़े पैमाने पर रॉकेट और मिसाइलें हैं, बंकर्स और डिफेंस सिस्टम्स है। हम कह सकते हैं कि यह दुनिया का सबसे बड़ा नान स्टेट एक्टर है। फिर तो इजराइल के लिए भी यह लड़ाई आसान नहीं होगी। यदि इसे अंतिम परिणामों तक पहुंचाने के लिए अमेरिका कूदता है तो फिर संभव है कि इसमें ऐसे आयाम जुड़ें कि लड़ाई विश्वयुद्ध में बदल जाए। जो भी हो, आज स्थिति यह है कि मिडिल ईस्ट की दो प्रमुख शक्तियां आमने-सामने आ चुकी हैं, प्रॉक्सी पीछे छूटता हुआ दिख रहा है, मध्य पूर्व धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि निर्मित करता हुआ दिख रहा है। फिर भी अभी ऐसे निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल होगा कि दुनिया का सामना जल्द ही तीसरे विश्वयुद्ध से होगा।

आज का इतिहास

1945 कम्युनिस्टों ने शांगडांग अभियान पर जीत हासिल की।
1960 जापान सोशलिस्ट पार्टी के नेता इंजीरो आसनुमा की हत्या एक लाइव टीवी पर एक समुराई तलवार का इस्तेमाल करके की गई थी।
1964 विश्व में पहली बार सोवियत संघ ने बिना स्पेस सूट पहनाए अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा।
1966 चिकित्सा के लिए नोबेल शांति पुरस्कार दो अमेरिकी डॉक्टरों, फ्रांसिस पेटन राउतंड चार्ल्स बी हगिंस को प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने अपना जीवन कैंसर से जूझने के लिए समर्पित कर दिया।
1968 स्पेन ने इक्वेटोरियल गिनी को इसकी स्वतंत्र घोषित किया।
1968 मध्य अफ्रीका में स्थित देश ईक्वाटोरियल गिनी को स्पेन से स्वतंत्रता मिली और यह दिन इस देश का राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।
1982 थोरबॉर्न फ्लाल्डिन स्वीडन के प्रधानमंत्री बने।
1984 अनंतिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने ब्रेटन, इंग्लैंड में ग्रैंड होटल में एक बम विस्फोट किया, जिसमें प्रधान मंत्री मागरिट थैचर और उनके अधिकांश मंत्रिमंडल की हत्या करने की असफल कोशिश हुई।
1991 इराक के परमाणु कार्यक्रम को, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा प्रतिबंधित किया गया है ताकि इसे शोषण से रोका जा सके और गुप्त हथियार प्रयोगशालाओं के कवर के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।
1992 1993 में काहिरा भूकंप में 543 लोग मारे गए और 6,500 से अधिक घायल हो गए।
1992 मिस्र के काहिरा के दक्षिण में 5.8 एमबी का भूकंप आया, जिसमें 545 लोग मारे गए।
1992 मिस्त्र की राजधानी काहिरा में भूकंप से करीब 510 लोगों की मौत हुई।
1997 अल्जीरिया के सिदी दाऊद शहर के फॉल्स रोड ब्लॉक पर नरसंहार में 43 लोगों की हत्या की गई।
2000 अंतरिक्ष यान 'डिस्कवरी' का फ्लोरिडा से प्रक्षेपण हुआ।

हरियाणा में कैसे मिला भाजपा को हैट्रिक का मौका?

उमेश चतुर्वेदी

1999 के लोकसभा चुनावों के पहले तब के चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने एक्जिट पोल को लेकर एक बड़ी बात कही थी। उन्होंने कहा था कि एक्जिट पोल काला जादू नहीं होता। हरियाणा के चुनाव नतीजों ने साबित किया है कि एक्जिट पोल सचमुच काला जादू नहीं होता।

5 अक्टूबर की शाम चुनाव खत्म होने के बाद शायद ही कोई एक्जिट पोल था, जो कांग्रेस की भारी जीत की मुनादी नहीं कर रहा था। एक्जिट पोल की खुशफहमी 8 अक्टूबर को मतगणना शुरू होने के कुछ देर बाद तक बनी भी रही, जब पहले दौर की गिनती के दौरान कांग्रेस भारी बहुमत की ओर बढ़ती नजर आ रही थी। लेकिन 10 बजते-बजते खेल पलटना शुरू हुआ और भाजपा तीसरी बार जीत की ओर बढ़ती दिखने लगी।

हरियाणा की सामाजिक स्थिति और वहां के लोगों के स्वभाव को जो गहरे से जानते हैं, उन्हें पता था कि राज्य के चुनावी नतीजे वैसे नहीं आ रहे, जैसा मीडिया में दिखाया जा रहा है। हरियाणा के जातीय गणित में 23% की हिस्सेदारी के साथ जाट सबसे बड़ा समूह है। संघर्षशील जाट समुदाय की खूबी है कि उसे साफगोई पसंद है। किसानों और पहलवानों के आंदोलन में भी उसकी बढ़-चढ़कर भागीदारी रही। इस भागीदारी और उसकी मुखरता ने चुनावी माहौल में ऐसा कोलाज रचा कि लगा पूरा हरियाणा भाजपा के विरोध में खड़ा नजर आने लगा।

हरियाणा का एक सच और भी है। वहां करीब 35% ओबीसी मतदाता हैं। इसके साथ ही करीब 21% दलित और बाकियों में ब्राह्मण, बनिया, पंजाबी, गुर्जर और यादव हैं। चूंकि जाट समुदाय के पास जमीन अपेक्षाकृत ज्यादा है, इसलिए किसान आंदोलन में इनकी भागीदारी ज्यादा रही। कांग्रेस का किसान आंदोलन को साथ था। लिहाजा उसने पूरी राजनीति जाट केंद्रित ही कर दी। उसे भरोसा था कि जाट और दलित मिलकर उसकी सत्ता में वापसी करा देंगे। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 28 जाट उम्मीदवार मैदान में उतारे, जबकि भाजपा ने 16 उम्मीदवारों पर ही भरोसा किया।

हरियाणा में कांग्रेस की पूरी कमान भूपिंदर सिंह हुड्डा ने संभाल ली। दलित नेता कुमारी सैलजा की नहीं चली। कांग्रेस से दलित नाराज हुआ। विनेश फोगाट के कांग्रेस में शामिल होने से जाटों का एक समुदाय भी खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगा।

इन सबका मिला-जुला असर था कि हरियाणा में कांग्रेस की ना तो आंधी आई और ना सुनामी। 2014 में जीत के बाद भाजपा ने अप्रत्याशित रूप से राज्य की ताकतवर जातियों और समुदायों के बजाय पंजाबी मनोहर लाल को सत्ता की कमान सौंप दी। इससे जाट समुदाय के बड़े हिस्से में नाराजगी बढ़ी।

भाजपा ने लोकसभा चुनावों से ठीक पहले इस नाराजगी को भांपा और मनोहर लाल की जगह पिछड़े वर्ग से आने वाले नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। भाजपा की इस सोशल इंजिनियरिंग का ही असर कह सकते हैं कि राज्य के 35% ओबीसी मतदाताओं के बड़े वर्ग ने उसका साथ दिया है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक उपलब्ध चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा को जहां 39.93% मत मिले हैं, वहीं कांग्रेस को उससे कुछ ही कम यानी 39.26% वोट। किस समुदाय का वोट किस पार्टी को मिला, इसका ठोस विश्लेषण तो पूरी तस्वीर सामने आने के बाद ही हो सकेगा। लेकिन मोटे तौर पर ऐसा लग रहा है कि यादव और गुर्जर समेत ओबीसी समुदाय के दूसरे वोटरों के साथ ही भाजपा को पारंपरिक पंजाबी, ब्राह्मण और बनिया समुदाय का तकरीबन समूचा वोट मिला है। तभी पार्टी तीसरी बार धमाके के साथ सत्ता में लौट रही है।

इसमें दो राय नहीं कि लगातार दो बार सत्ता में रहने के चलते भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर थी। लेकिन यह लहर भी विशेषकर किसानों और कुश्ती पर टिकी थी। चूंकि यही वर्ग मुखर भी रहता है इसलिए हरियाणा पर निगाह रखने वालों को लगता था कि जैसा यह मुखर समुदाय बोल और सोच रहा है, समूचे हरियाणा की यही सोच है।

दूसरी तरफ भाजपा को अंदाजा लग गया था कि तीसरी बार सत्ता में वापसी की राह मुश्किलों से भरी है। पिछले एक दशक में पार्टी के चुनाव प्रचार की रणनीति मेगा शो के आयोजन पर केंद्रित रही है। लेकिन हरियाणा में पार्टी ने मेगा शो के बजाय पंचायत और स्थानीय स्तर पर काम किया। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं की भी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने वोटरों को जहां जरूरी लगा, वहां समझाया और बूथों तक पहुंचाने में भी बड़ी भूमिका निभाई।

एक बात और ध्यान देने की है कि हरियाणा के शहरी इलाकों में भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है। राज्य की 12 शहरी सीटों में से दस पर उसका परचम लहराया है। लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत हासिल ना करने की वजह से भाजपा में कुछ हद तक निराशा का भाव रहा है। यह निराशा हरियाणा के प्रचार अभियान में भी कुछ हद तक नजर आ रही थी। लेकिन जमीनी स्तर पर जिस तरह काम हुआ, पंचायत स्तर पर लोगों को साधने की कोशिश हुई, उसका असर हुआ।

इसका पार्टी के मनोबल पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। कार्यकर्ता दोगुने उत्साह से महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावी मैदान में उतरेंगे। यहां ध्यान देने की बात यह है कि हरियाणा में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने के लिए पड़ोसी उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी ने अपना एक भी उम्मीदवार राज्य में नहीं उतारा था, जबकि उसकी चाहत भी राष्ट्रीय पार्टी बनने की है। जाहिर है, हरियाणा की हार का असर कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्षी गठबंधन की अंदरूनी राजनीति पर भी पड़ेगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस, कश्मीरी पंडित और आशंकाएं

अग्निशेखर

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणाम में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलना लोकतंत्र के नजरिये से अच्छा है। इस जनादेश ने वहां स्थिर सरकार की नींव रखी है, लेकिन इसके निहितार्थ समझने होंगे। अनुच्छेद 370 हटने के बाद लोगों को उम्मीद जगी थी कि जम्मू और कश्मीर में माहौल बदलेगा और अमन की बहाली होगी। लेकिन चुनाव के नतीजों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के लौटने से 1990 के दौर की वापसी का अंदेशा ही गहराता है। हालांकि, चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस का बड़ी पार्टी बनना और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) समेत अन्य क्षेत्रीय पार्टियों व निर्दलीयों को?मतदाताओं द्वारा नकारना भी बहुत कुछ कहता है।

2014 के चुनाव में पीडीपी सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन इस बार वह कुछ ही सीटों पर सिमट गई। इसके पीछे कारण यह है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की ओर से प्रचारित किया गया था कि जम्मू-कश्मीर में पीडीपी ने भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर अनुच्छेद 370 को हटाने में बड़ी भूमिका निभाई। दूसरा, नेशनल कॉन्फ्रेंस पुरानी पार्टी है, उसके पास घाटी में मजबूत संगठन भी है, जिसका उसे फायदा मिला। नेशनल कॉन्फ्रेंस घाटी के लोगों को यह समझाने में सफल रही कि अनुच्छेद 370 हटने से उनके विशेषाधिकारों का हनन हुआ है। पीडीपी ने जमात के लोगों को भी अपने साथ जोड़ा, लेकिन उसको कोई फायदा नहीं हुआ। घाटी के लोगों को लग गया था कि यदि उन्होंने अपना वोट बांटा, तो इससे भाजपा को लाभ होगा। पीडीपी के ऊपर आरोप भी लगते रहे हैं कि उसी की वजह से पूरे राज्य में भाजपा को अपने पैर पसारने का मौका मिला। इन सबके बीच भारतीय जनता पार्टी कहीं न कहीं अपनी रणनीति में विफल रही। भाजपा नेतृत्व जम्मू-कश्मीर के लोगों के मन को ठीक से पढ़ नहीं सका। केंद्र में बीते दस वर्षों में सरकार के पास स्पष्ट बहुमत था। चाहते तो कश्मीर से विस्थापित हिंदू समाज का वहां पर पुनर्वास करा सकते थे, लेकिन भाजपा नेतृत्व ऐसा करने में नाकामयाब रहा। 2019 में जब अनुच्छेद 370 को हटाया गया, तो हम लोगों को आस जगी थी कि अब कश्मीरी पंडितों समेत पूरे हिंदू समाज की कश्मीर में वापसी की राह खुल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कश्मीरी हिंदुओं के मामले में भाजपा का रवैया पूर्ववर्ती सरकारों की तरह ही रहा। हमें उम्मीद थी कि वह संसद में इस विषय पर चर्चा करेगी और जनसंहार-निरोधक कानून बनाएगी। लेकिन सब व्यर्थ। भाजपा को जम्मू संभाग में सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं। इसके मायने हैं कि अब जनता चाहती है कि जिस तरह से पंजाब से अलग कर हरियाणा राज्य बनाया गया, उसी तरह जम्मू को अलग राज्य बना देना चाहिए। भाजपा ने एक बड़ी गलती यह की कि काफी संख्या में कश्मीरी पंडितों के वोट कश्मीर में स्थानांतरित करवा दिए, इसका उसे वहां पर कोई फायदा नहीं मिला।

भाजपा घाटी में जिन लोगों के साथ मिलकर अपनी रणनीति को सफल बनाना चाह रही थी, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उसकी काट ढूंढ ली। पिछले करीब 35 वर्षों से कश्मीरी पंडितों की बात करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने बीते दस वर्षों में उतना कुछ किया नहीं, जिसकी उन्हें अपेक्षा थी। अभी भी भाजपा को 29 सीटें मिली हैं, उसका कारण है कि हिंदू समाज के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। इसमें भी लोगों ने पार्टी के बजाय ये वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर भाजपा को दिए हैं। प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान पहली बार खुलकर कहा कि वह विस्थापित कश्मीरी हिंदू समाज का पुनर्वास कराएंगे। यदि इस दिशा में पहले से ठोस कदम उठाए जाते, तो भाजपा को इससे अधिक सीटें मिलतीं और वह सरकार बनाने की स्थिति में भी आ सकती थी, लेकिन कहीं न कहीं कश्मीर को लेकर भाजपा अपनी रणनीति बनाने में विफल रही।

अब चुनाव परिणाम आ गए हैं। स्पष्ट हो गया है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस मिलकर अपने दम पर नई सरकार बनाएंगी। ऐसी स्थिति में नेशनल कॉन्फ्रेंस अनुच्छेद 370 हटवाने के लिए पूरे कार्यकाल के दौरान केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेगी। लेकिन इनके बीच में जनता कहां होगी? कश्मीरी हिंदू समाज के पुनर्वास का क्या होगा? क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस फिर से 90 के दौर की वापसी चाहेगी? क्या 370 की बहाली होगी? भारतीय जनता पार्टी विपक्ष में अपनी भूमिका किस तरह निभाएगी? ऐसे अनेक सवाल हैं, जिनको लेकर तमाम आशंकाए हैं।

सबके लिए चौंकाने वाले हैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम

कमलेश पांडे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम एक बार फिर सबको चौंका दिए। यहां भाजपा की कसरत बेकार गई और कांग्रेस की फितरत नेशनल कांफ्रेंस के सहारे बाजी मार ले गई। कहने का तात्पर्य यह कि ताजा चुनाव परिणाम से जहां एक ओर पाकिस्तान-चीन परस्त स्थानीय सियासत को हवा देने वाली कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस के देशद्रोही एजेंडे को सुकून मिली है, वहीं सूबे में भारतीयता की अलख जगाने वाली भाजपा की राष्ट्रवादी सियासत के ऊपर चिंता की कुछ नई लकीरें खींच दी हैं, जिन्हें समय रहते ही मिटाने के कुछ और सकारात्मक प्रयत्न करने होंगे।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस चुनाव परिणाम से वहां सक्रिय हिन्दू हित चिंतक समूहों की भी बेचैनी बढ़ी है, क्योंकि एक बार फिर वहां पर वही अब्दुल्ला सरकार लौट रही है, जिसे जम्मू-कश्मीर के लिए हर मायने में अलग स्टेटस चाहिए। यानी धारा 370 की वापसी चाहिए। चूंकि काँग्रेस भी उसकी हां में हां मिला रही है, इसलिए केंद्र में सरकार बदलते ही उनकी जिद्द पूरी हो सकती है, हालांकि उनके लिए दिल्ली अभी दूर है। देखा जाए तो अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में पहली बार चुनाव हुए। जिसमें बीजेपी का जलवा कायम रहा, जबकि वह सरकार बनाने में सफल नहीं हो पाई। अतीत पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार वर्ष 2014 में चुनाव हुए थे। वहां पर साल 2014 तक नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री थे। लेकिन 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद वहां बीजेपी और पीडीपी गठबंधन ने सरकार चलाई।

इसी बीच 2019 में वहां से अनुच्छेद 370 को हटाया गया और उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। तब से वहां उपराज्यपाल शासन लागू है। उसके बाद अब जाकर साल 2024 में यहां चुनाव हुए, जिसमें तीन पीढ़ियों से यहां की सत्ता चला रहे अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। घाटी में उनकी तूती बोलती है, इसलिए वहां उन्हें काफी सीटें मिलीं। हां, जम्मू के हिंदुओं ने बीजेपी को जमकर वोट दिया और अपनी राष्ट्रवादी भावनाओं का खुलकर इजहार किया।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि आतंक के साए के बीच 10 साल बाद फिर से जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए। इससे पहले 2014 से 2024 के बीच 10 साल में जम्मू-कश्मीर का पूरा राजनीतिक परिदृश्य ही बदल गया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर घाटी की राजनीतिक हवा ही पूरी तरह से बदल गई। केंद्र शासित प्रदेश के नए स्वरूप में आने वाले इस राज्य में आखिरकार 2024 में फिर से विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा। और जब जम्मू व कश्मीर के चुनाव परिणाम आए तो नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिला। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं। जबकि, बीजेपी ने 29 सीटों पर कब्जा किया। वहीं, महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को सिर्फ 3 सीटें मिलीं। जबकि अन्य छोटी पार्टियों ने 10 सीटें हासिल कीं। यदि अलग अलग सीटों की बात की जाए तो नैशनल कॉन्फ्रेंस को 42 और कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। जबकि जेपीसी को 1, सीपीआई एम को 1, आम आदमी पार्टी को 1 और निर्दलीय को 7 सीटें मिली हैं।

जहां तक इनके वोट प्रतिशत का सवाल है तो बीजेपी को 25.64 प्रतिशत, नैशनल कॉन्फ्रेंस को 23.43 प्रतिशत, कांग्रेस को 11.97 प्रतिशत, पीडीपी को 8.87, आम आदमी पार्टी को 0.52 प्रतिशत, बीएसपी को 0.96 प्रतिशत और जदयू को 0.13 प्रतिशत वोट मिले हैं। इस चुनाव में कुल 63.45 फीसदी वोटिंग हुई है। बता दें कि विधानसभा की 90 सीटों के लिए तीन चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान हुए थे।

ताजा चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि कभी भाजपा की करीबी रहीं पीडीपी नेत्री व पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को मतदाताओं ने खारिज कर दिया, ताकि वह भाजपा के साथ गठबंधन करने लायक ही नहीं बचें। उल्लेखनीय है कि साल 2014 में महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद और बीजेपी ने मिलकर पहली बार गठबंधन किया और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाई। यह वो नाजुक वक्त था जब 10 साल बाद बीजेपी ने फिर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सत्ता पर आसीन हुई थी।

उसी समय लीक से हटकर बीजेपी ने पीडीपी से गठबंधन किया और चुनाव के बाद गठबंधन सरकार बनाई। हालांकि ये बेमेल सरकार रही। वहीं, मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद महबूबा मुफ़्ती सीएम बनीं। चूंकि पीडीपी का एजेंडा बीजेपी के एजेंडे से बिल्कुल मेल नहीं खा रहा था और घाटी में पत्थरबाजी आम हो चली थी। इसलिए बीजेपी ने पीडीपी प्रमुख महबूबा से अपना पीछा छुड़ाना ही उचित समझा और ताबड़तोड़ उचित फैसले लिए।

साल 2014 से ही घाटी की राजनीति और जम्हूरियत का हवाला देने वाले फारूक अब्दुल्ला और उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला अपनी विचारधारा पर दृढ़ता से खड़े रहे। देखा गया कि भले ही वो अटलजी की सरकार में केंद्रीय मंत्री थे, एनडीए में भी शामिल थे, लेकिन इसके बावजूद वे नरेंद्र मोदी की सरकार की नीतियों पर लगातार मुखरित रहे। पूरे देश में राहुल गांधी और जम्मू-कश्मीर में फारुख अब्दुल्ला-उमर अब्दुल्ला अपनी मुखरता के लिए ही जाने-पहचाने गए।

वहीं, जब 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) हटाया गया, तो फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने ही इस पर मुखरता पूर्वक अपनी बात रखी। इससे पाक व चीन परस्त जम्मू-कश्मीर वासियों के हौसले बढ़े। बता दें कि साल 2014 में जम्मू-कश्मीर चुनाव से पहले अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस का ही राज था। तब उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 5 जनवरी 2009 को गठबंधन सरकार बनाई थी।

वहीं, जब अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। साथ ही जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा भी खत्म किया और इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। ये सब कुछ करने के बाद यह पूरा क्षेत्र उबल पड़ा, जिसके दृष्टिगत जम्मू-कश्मीर में कई महीनों तक विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लागू रहे। इन सबके बाद भी जब जम्मू कश्मीर में साल 2024 में विधानसभा चुनाव हुए तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के अब्दुल्ला परिवार के पुनर्वापसी हुई, जबकि पीडीपी के महबूबा परिवार का सियासी सुफड़ा साफ हो गया।

सवाल है कि जब भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी भी अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस की लाइन पर ही चल रही थी, तो फिर उनकी पीडीपी को विधानसभा की 90 सीटों में से महज 3 सीटें ही क्यों मिल पाईं। शायद इसलिए कि जब कश्मीर घाटी में युवाओं ने पत्थरबाजी कर आतंक मचा रखा था, तब महबूबा की भाषा ऐसी थी कि किसी को भी हैरान कर दे। तब जिस तरह से उनकी वक्तव्यों में पाकिस्तान के प्रति झुकाव स्पष्ट देखने को मिलता था, उससे भारत में आस्था रखने वाले कश्मीरी क्षुब्ध दिखते थे। यही वजह है कि जब चुनाव आए तो मतदाताओं ने उन्हें सिरे से ही खारिज कर दिया, जो उनके लिए भी सियासी अजूबे की तरह है।

आपको पता होना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के पिता और यहीं के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के दादा शेख अब्दुल्ला, जो देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मित्र समझे जाते थे, ने घाटी की सियासत में अहम भूमिका अदा की। सच कहूं तो शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर की राजनीति के पायोनियर थे। वे ऑल जम्मू और कश्मीर

मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के संस्थापक थे। वो जम्मू और कश्मीर के भारत में विलय के बाद वहां के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने।

यही वजह है कि पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को अपने पिता से राजनीति विरासत में मिली। उन्होंने भी भाजपा से गठबंधन किया, लेकिन अपनी शर्तों पर। इसप्रकार दशकों तक कश्मीर घाटी की मुखर आवाज रहने के बाद उन्होंने अपनी विरासत अपने बेटे उमर अब्दुल्ला को सौंप दी। बता दें कि साल 2009 से साल 2014 तक उमर अब्दुल्ला जम्मू- कश्मीर के सीएम रहे। दस साल बाद फिर उनकी सियासी किस्मत चमकी और वो यहां के अगले सीएम बनेंगे, क्योंकि उनकी पार्टी के गठबंधन को ही पूर्ण बहुमत मिला है।

आपको पता होना चाहिए कि देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस की कभी जम्मू-कश्मीर में तूती बोलती थी। तब घाटी में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता गुलाम नबी आजाद ने भी जम्मू-कश्मीर में अपनी सरकार चलाई। हालांकि रुप 23 के झांसे में आकर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने के बाद गुलाम नबी आजाद व उनके समर्थकों का भी राजनीतिक वजूद खत्म हो गया। इसी तरह कांग्रेस का भी स्वतंत्र पार्टी के रूप में वजूद खत्म हो गया।

इस बार जम्मूकश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलाम नबी आजाद की घरवापसी के लिए पहल की, लेकिन राहुल गांधी के सख्त रवैये के चलते खड़गे बैक फुट पर चले गए। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी पार्टी बनकर कांग्रेस 6 सीटें पाने में सफल रही। इस मामूली उपलब्धि के लिए भी राहुल गांधी ने जम्मू और कश्मीर में कई रैलियां की। उधर, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी उन्होंने अपनी ताकतवर मौजूदगी दिखाई थी। इसका असर यह रहा कि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिल गईं।

हिंदु बहुल जम्मू में बीजेपी का प्रदर्शन पहले के मुकाबले अच्छा रहा। पार्टी ने यहां 29 सीटें जीतीं। बता दें कि जम्मू रीजन में 43 सीटें पड़ती हैं। भाजपा 68 प्रतिशत की स्ट्राइक रेट के साथ ये सीटें हासिल की है, जो बड़ी बात है। इस तरह बीजेपी पूरे जम्मू-कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, कश्मीर घाटी में बीजेपी एक भी सीट नहीं जीत सकी। 2014 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने अपनी सभी 25 सीटें जम्मू में ही जीती थीं। तब भी कश्मीर में उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। हालांकि इस बड़ी जीत के लिए यहां पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित तमाम बड़े नेताओं और मंत्रियों की रैलियां हुईं। इसके बावजूद भी जम्मू के बाहर भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। समझा जाता है कि जम्मू के हिंदुओं ने आतंक का दंश झेला है। अनुच्छेद 370 हटने पर पीडीपी और नेकां के बयानों को भी सुना है। इसलिए जब चुनाव आए तो हिंदुओं ने बीजेपी के पक्ष में जमकर वोट डाले। इससे बीजेपी का सियासी ग्राफ भी ऊंचा उठा।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में अपना पहला मुख्यमंत्री बनाने के लिए बीजेपी को अकेले जम्मू में ही कम से कम 30 से 35 सीटें जीतना जरूरी था। जबकि, घाटी में भी उसे अच्छा प्रदर्शन करना था। हालांकि, ऐसा हो नहीं सका। ऐसे में सवाल उठता है कि अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले और नया कश्मीर का वादा करने वाली बीजेपी को चुनावी फायदा क्यों नहीं मिला?

जम्मू-कश्मीर चुनाव परिणाम ने प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी की छवि को और सशक्त किया है। वैश्विक स?तर पर भारत के लोकतंत्र की मजबूती और जम्मू-कश्मीर को लेकर संदेश गया है कि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है। वहीं, कश्मीर में भाजपा की सीटों में वृद्धि और हार दोनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए अहम हैं। क्योंकि धारा 370 हटाने के बाद उन्होंने राज्य को प्रभावी रूप से संभाला। फिर भी भाजपा जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाने में असफल हुई। यानी कि वहां भाजपा की स्वीकार्यता अभी भी सीमित है। कश्मीर में समुदाय का भाजपा पर भरोसा अभी मजबूत नहीं हुआ है।

साल 2014 में सत्ता खोने और 2019 में राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद हुए इस चुनाव में उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार वापसी की है। इससे साबित होता है कि कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी वह एक संतुलित नेता के रूप में उभरे हैं। कश्मीर की जनता ने अब्दुल्ला पर भरोसा जताया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं बडगाम के मतदाताओं का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे अपने कीमती वोटों से नवाजा, मुझे यहां से कामयाब बनाकर भेजा।

उन्होंने बताया कि जेकेएनसी को पिछले 5 साल से खत्म करने की पूरी कोशिश की गई थी। यहां बहुत से ऐसे तंजीमें खड़ी गई जिनका मकसद था नेशनल कॉन्फ्रेंस को खत्म करना। हालांकि जो हमें खत्म करने के लिए आए थे मैदान में, उनका खुद ही कोई नामों-निशान नहीं रहा। लिहाजा, हमारी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने आप को इन वोटों के लायक साबित करें।

वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। हम इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की जीत को लेकर महबूबा मुफ्ती ने उन्हें बधाई दी और कहा कि राज्य की जनता शायद एक स्थिर सरकार चाहती थी। यही वजह है कि उन्होंने एनसी-कांग्रेस गठबंधन को चुना है.

महबूबा मुफ्ती को उनके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद का एक दशक पहले भाजपा संग गठबंधन करने के फैसले का खामियाजा भुगतना पड़ा। इस चुनाव में जनता ने पीडीपी को दिल्ली की करीबी पार्टी माना और महबूबा मुफ्ती की पार्टी पर भरोसा नहीं किया। चुनाव परिणाम से संदेश मिला कि घाटी में जो भी राजनीतिक पार्टी भाजपा के करीब आती है, उसका चुनाव में मतदाता गर्मजोशी से स्वागत नहीं करेंगे। लिहाजा, महबूबा मुफ्ती के लिए यह समय पुनर्विचार का है कि दोबारा जनता का भरोसा कैसे जीता जाए।

हालांकि, फारुख अब्दुल्ला की नेशनल कांफ्रेंस भी भाजपा के करीब रही है, लेकिन उन्होंने चालाकी पूर्वक अपने पाले बदले, जो कि महबूबा नहीं कर सकीं। उधर, जेल से बाहर आते ही बारामूला सीट से सांसद इंजीनियर राशिद के बयानों ने हलचल मचा दी। वो टेरर फंडिंग के मामले में जेल में बंद थे। लेकिन जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के प्रचार के लिए उनको 2 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी गई थी। उन्होंने भी प्रचार किया।

भले ही बीजेपी ने %नया कश्मीर% में सुरक्षा पर ज्यादा जोर दिया। उसके मातहत वाली सरकार ने आतंकवाद, अलगाववाद और पत्थरबाजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की, जिसका लोगों ने भी स्वागत किया। लेकिन दूसरी ओर ऐसा भी समझा गया कि अभिव्यक्ति की आजादी को दबाया जा रहा है। इसलिए जम्मू-कश्मीर में ये आम धारणा बनाई गई कि असहमति को दबाने के लिए डराया जा रहा है। इस कारण कश्मीर घाटी में बीजेपी वैसी नहीं उभर पाई, जैसी कि उसे उम्मीद की गई थी।

इतना ही नहीं, कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद बीजेपी ने स्थानीय लोगों की नाराजगी को खत्म करने के लिए उन्हें नौकरियों देने का वादा किया। साथ ही ये भी वादा किया कि सरकार कश्मीर में निवेश लेकर आएगी, जिससे नौकरियां पैदा होंगी। हालांकि, इन वादों पर इतना काम नहीं हुआ, जितना कि उससे अपेक्षा की गई। इससे उपजे अविश्वसनीय हालात ने भी जनता में नाराजगी बढ़ाई।

बताया जाता है कि जब स्थिति थोड़ी सामान्य होने लगी तो मोदी सरकार ने विकास, नौकरियां और सुरक्षा के नाम पर नया कश्मीर बनाने का वादा किया। लेकिन, अनुच्छेद 370 हटाने से लोगों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई करने की कोशिशें बहुत कम हुई। वहीं, दूसरी ओर फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस और महबूबा मुफ्ती की पीडीपी ने 370 को कश्मीरी अस्मिता से जोड़ दिया। दोनों नेताओं ने भाजपा के इस कदम को कश्मीर विरोधी बताया। इसलिए ऐसा माना जाता है कि अब भी सिर्फ कश्मीर ही नहीं, बल्कि जम्मू की भी एक बड़ी आबादी 370 हटाने के खिलाफ है।

वहीं, भले ही चुनावी फायदे के लिए बीजेपी ने अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी और सज्जाद लोन की पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जैसी पार्टियों के साथ गठबंधन कर नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी का दबदबा कम करने की कोशिश की। लेकिन, इन पार्टियों के साथ गठबंधन बीजेपी के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद साबित नहीं हुआ। जबकि, कड़वा सच यह भी है कि भाजपा ने यह चुनाव पूरी तरह से विकास के मुद्दे पर लड़ा। उसने जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठने की कोशिश की और इस चुनाव को एक नई संस्कृति दी। जम्मू-कश्मीर में कल्याणकारी योजनाएं सभी धर्मों के लोगों तक पहुंची।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के तुरंत बाद 5 विधायकों एलजी द्वारा मनोनीत किया जाना है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास एक खास अधिकार है, जिसका प्रयोग करते हुए वे 5 लोगों को विधानसभा के लिए नॉमिनेट कर सकते हैं। इस तरह जम्मूकश्मीर में विधायकों की कुल संख्या 95 हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर रीऑर्गेनाइजेशन एक्ट 2019 के तहत विधानसभा में 5 विधायकों को एलजी नॉमिनेट कर सकते हैं। यह रूल महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और पीओके के प्रतिनिधित्व के लिए लाया गया था। इसे जुलाई 2023 में संशोधित किया गया। बता दें कि लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की ओर से विधानसभा के लिए पांच लोगों को नॉमिनेट किये जाने के बाद विधायकों की कुल संख्या 95 हो जाएगी और बहुमत का आंकड़ा बढ़कर 48 हो जाएगा। ऐसे में भाजपा सत्ता हासिल करने के लिए एनसी-कांग्रेस गठबंधन सरकार को निकट भविष्य में गिराने के लिए तमाम विकल्पों पर विचार कर सकती है। इसके साथ ही निर्दलीय उम्मीदवार किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं। इसको लेकर भाजपा ने फील्डिंग सजानी शुरू कर दी है। भाजपा का दावा है कि लोगों ने विकास और शांति के लिए उसके दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए उन्हें वोट दिया है।

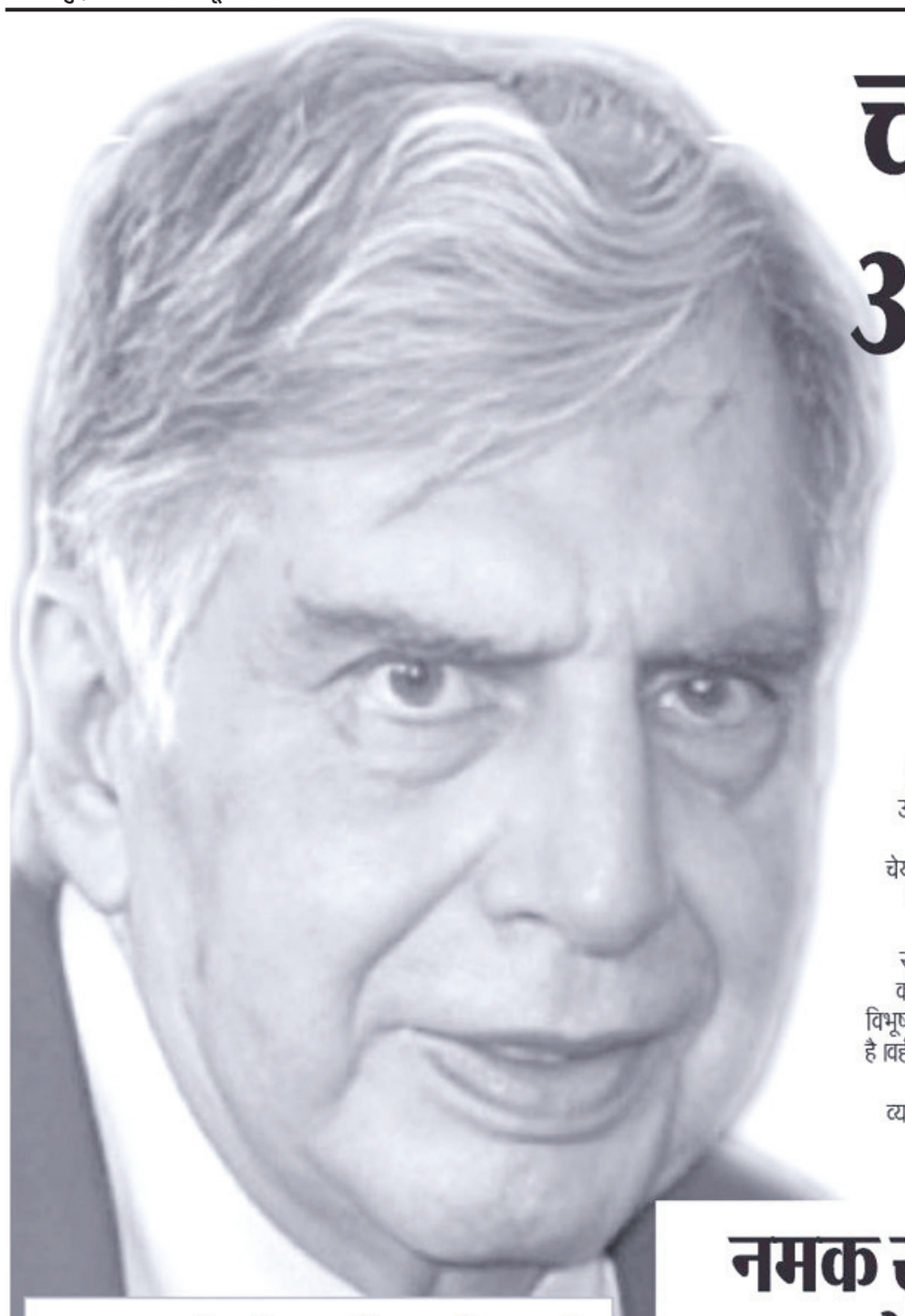

चला गया खास होते हुए भी आम दिखने वाला रतन टाटा !

रतन टाटा सिर्फ एक अरबपति नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने टाटा समूह के साथ इस देश और इस देश के करोड़ों लोगों के लिए बहुत कुछ किया है।तभी तो रतन टाटा के निधन से हर कोई दुखी है। उन्हें संयमित जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के माध्यम से परोपकारी कार्यों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के लिए भी जाना जाता रहा है।उनके निधन के बाद यह सवाल उठ रहा है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा? करीब 3800 करोड़ रुपये की नेटवर्थ के मालिक रतन टाटा जीवन भर अविवाहित रहे हैं। टाटा परिवार में एन चंद्रशेखर टाटा संस के 2017 से चेयरमैन हैं।उनके अलावा टाटा ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों से ऐसे बहुत से लोग हैं, जो भविष्य में टाटा समूह में अलग-अलग जिम्मेदारी निभाते नजर आ सकते हैं। रतन टाटा के पिता नवल टाटा की दूसरी शादी सिमोन से हुई थीं। उनके बेटे नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं।रतन टाटा की विरासत हासिल करने के लिए उनका यह संबंध उन्हें एक प्रमुख उत्तराधिकारी उदावेदार बनाता है। नोएल टाटा के तीन बच्चे हैं, जिनमें माया, नेविल और लीह हैं। यह रतन टाटा के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन नवल टाटा का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल की इंटेसिव केयर यूनिट में भर्ती थे और उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे।रतन टाटा ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रतीक थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शब्दों में,भारत ने एक ऐसे आइकॉन को खो दिया है, जिन्होंने कॉरपोरेट ग्रोथ, राष्ट्र निर्माण और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया। पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की विरासत को आगे बढ़ाया है।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टाटा एक दूरदर्शी बिजनेस लीडर, दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे।उन्होंने भारत के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित व्यापारिक घरानों में से एक को स्थिर नेतृत्व प्रदान किया। उनका योगदान बोर्ड रूम से कहीं आगे तक गया।

नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी बोले, रतन टाटा दूरदृष्टि वाले व्यक्ति थे। उन्होंने बिजनेस और परोपकार दोनों पर कभी न मिटने वाली छाप छोड़ी है। उनके परिवार और टाटा कम्युनिटी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।
प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि ये भारत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का जाना ना सिर्फ टाटा ग्रुप, बल्कि हर भारतीय के लिए बड़ा नुकसान है। व्यक्तिगत तौर पर रतन टाटा का जाना मुझे बहुत दुख से भर गया है, क्योंकि मैंने अपना दोस्त खो दिया है।रतन टाटा, दुनियाभर में फैले टाटा साम्राज्य के सबसे चमकदार रत्न थे। उन्होंने मैनेजमेंट की मॉडर्न तकनीकों को अपनाकर टाटा ग्रुप को दुनिया का भरोसेमंद ब्रांड बनाया।उन्होंने कभी भी टाटा के संस्थापकों के विजन से समझौता नहीं किया। आज जब नैतिकता का स्तर गिर रहा है, उस दौर में भी रतन टाटा व्यक्तिगत स्तर पर मॉरल वैल्यूज को थामे रहे। सही मायनों में रतन टाटा देश के उद्योग का प्रतिनिधित्व करते थे। हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उनके भरोसे, उत्कृष्टता और नवीनता के मूल्यों को अपनाते हुए प्रयास कर रहे हैं, यही रतन टाटा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।वे भारतीय उद्योग के आधुनिकीकरण से गहराई से जुड़े थे। और इससे भी अधिक इसके वैश्वीकरण के साथ जुड़े थे। बड़ी संपत्ति होने के बावजूद वे अपनी साधारण जीवनशैली और टाटा ट्रस्ट के जरिये परोपकारी कार्यों के लिए चर्चा में रहे। टाटा संस में अपने नेतृत्व के दौरान, उन्होंने टेटली, कोरस और जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों का अधिग्रहण करके टाटा समूह को मुख्य रूप से घरेलू कंपनी से वैश्विक पावरहाउस में बदल दिया. उनके नेतृत्व में, टाटा वास्तव में 100 बिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के वैश्विक व्यापार साम्राज्य में विकसित हुआ. दिसंबर 2012 में, टाटा अपने पद से रिटायर हो गए और उनकी जगह पर साइरस मिस्त्री ने पदभार संभाला, जिनका 2022 में एक कार दुर्घटना में निधन हो गया था।बुढापे के बावजूद रतन टाटा जीवन पर्यंत बेहद साधारण जीवन जीते रहे।उनकी सादगी स्वयं सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक हवाई यात्रा के दौरान महसूस की थी।ऐसे महान व्यक्तित्व को नमन।

10 बातों से जानिए कितने खास थे रतन टाटा

टाटा समूह के मानद चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उनके पास अरबों की संपत्ति थीं लेकिन वे आम इंसान की तरह जमीन से जुड़े रहकर कार्य करते थे। 28 दिसंबर को रतन टाटा का जन्मदिन रहता है। रतन टाटा से जुड़े 10 किस्से...

1. ऑनलाइन नफरत बंद करों : जी हां, रतन टाटा ने अपने इंस्टा हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की थी। जिस पर फैंस का बहुत सारा प्यार मिला। लेकिन एक कमेंट था जिस पर रतन टाटा ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए उस नफरत को उसी वक्त खत्म कर दिया। दरअसल, रतन टाटा ने एक फोटो अपलोड किया था जिस पर एक महिला ने कमेंट किया 'छोट'। इसके बाद यूजर्स महिला पर भड़क गया। तब रतन टाटा ने कहा, 'हम सभी में एक छोटा बच्चा होता है कृपा कर महिला से सम्मान से बात करें।'

2. कोविड-19 में मदद के लिए हाथ बढ़ाया : कोविड-19 के शुरूआत में इस महामारी से निपटने के लिए रतन टाटा ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया था। उन्होंने 500 करोड़ का फंड हेल्थ केयर वर्कस के लिए निकाला था। ताकि जरूरतमंद सामानों की पूर्ति की जा सकें। कोरोना काल का वक्त बेहद खतरनाक रहा। लेकिन फिर भी रतन टाटा कंपनी के एम्प्लोयी से मिलने मुंबई से पुणे मिलने गए। करीब 2 साल से वह कर्मचारी बीमारी था। यह किस्सा 5जी जनवरी 2021 का है।

3. जब रतन टाटा ने की अपील : रतन टाटा को कुत्तों से बेहद प्यार था। उन्होंने कुत्तों के लिए टाटा ग्रुप के ग्लोबल हेडक्वार्टर में एक लग्जरी हाउस बनवाया था। सोशल मीडिया पर ताज होटल के कर्मचारी की फोटो को सोशल मीडिया पर रतन टाटा ने शेयर किया और लिखा 'इस मानसून में आवारा कुत्तों के साथ राहत के पल साझा करना। ताज का यह कर्मचारी इतना दयालु था कि उसने कुत्ते के साथ अपना छाता साझा किया, जबकि भारी बारिश हो रही थी। मुंबई की भागदौड़ भरी जिंदगी में दिल को छू लेने वाला पल।' वे सोशल मीडिया यूजर्स से भी अपील करते हैं कि अगर उन्हें कोई भी कुत्ता बुरी हालात में दिखता है तो उसकी मदद करें।

4. अप्रैल 2020 में रतन टाटा के नाम से एक मीसलीडिंग जानकारी देशभर में वायरल हो गई थी। इसके बाद उन्होंने बेहद प्यार और सरल भाषा में कहा कि आर्टिकल में कुछ भी गलत नहीं है लेकिन आर्टिकल में दिए गए फैक्ट की जांच की आवश्यकता है। मैंने ऐसा कभी नहीं कहा था।

5. साल 2012 में रतन टाटा ने कुपोषण का शिकार हो रहे बच्चों की काफी मदद की थी। उनका कहना था कि कुपोषित हमारे देश के बच्चों को कितना प्रभावित करता है। अपने सटीक शब्दों में, उन्होंने कहा, 'मेरा सबसे दृश्यमान लक्ष्य भारत में बच्चों और गर्भवती माताओं के लिए पोषण में कुछ करना है। क्योंकि इससे आने वाले वर्षों में हमारी आबादी के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में बदलाव आएगा।'

6. पढ़ाई में आर्थिक सहायता : रतन टाटा की ओर से कई छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है। रतन टाटा स्कॉलरशिप से टाटा स्कॉलरशिप तक विभिन्न तरह से छात्रवृत्ति का लाभ ले सकते हैं।

7. जब टाटा ने इकोनॉमी क्लास चुना : रतन टाटा जनहितैषी थे। किसी भी कार्य को करने के पीछे उनका अलग ही मकसद होता था। इतना ही नहीं वे 2016 में उनका फोटो इंटरनेट पर वायरल हुआ था। हालांकि वह पिक्चर गोवा 2014 का था जब उन्होंने वह आम इंसान के साथ बैठकर इकॉनामी क्लास में गोवा का सफर किया।

8. 26/11 की घटना आज भी स्मृति पटेल पर उभरती है तो रूह कांप जाती है। उस दौरान रतन टाटा ने करीब 80 प्रभावित कर्मचारियों के परिवारों से व्यक्तिगत मिलें। उन्हें मुआवजा भी दिया और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठाया। इतना ही नहीं रतन टाटा ने उनके परिवार और आश्रितों को उनके शेष जीवन के लिए कई सारी सुविधाएं प्रदान की।

9. अपने ड्राइवर के साथ बैठते थे : जी हां, बड़े लोगों की खासियत होती है कि वे ड्राइवर के साथ नहीं बैठते हैं लेकिन रतन टाटा अपने ड्राइवर के साथ बैठते थे। इतना ही नहीं कई बार वे खुद भी गाड़ी चलाते थे और राइड का आनंद लेते थे।

10. जब अपनी ही कंपनी में किया काम : रतन टाटा ने अपनी ही कंपनी में ब्लू कॉलर कर्मचारी के रूप में काम किया। 1971 में टाटा स्टील, जमशेदपुर में ब्लू कॉलर कर्मचारी के रूप में अपने काम की शुरूआत की। इससे पहले उनके पास में न्यूयॉर्क से आईबीएम कपंनी का ऑफर भी था। लेकिन उन्होंने अपनी कंपनी में काम करना पसंद किया।

नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक के कारोबार को देश-विदेश में नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने वाले भारत के अनमोल रतन थे टाटा

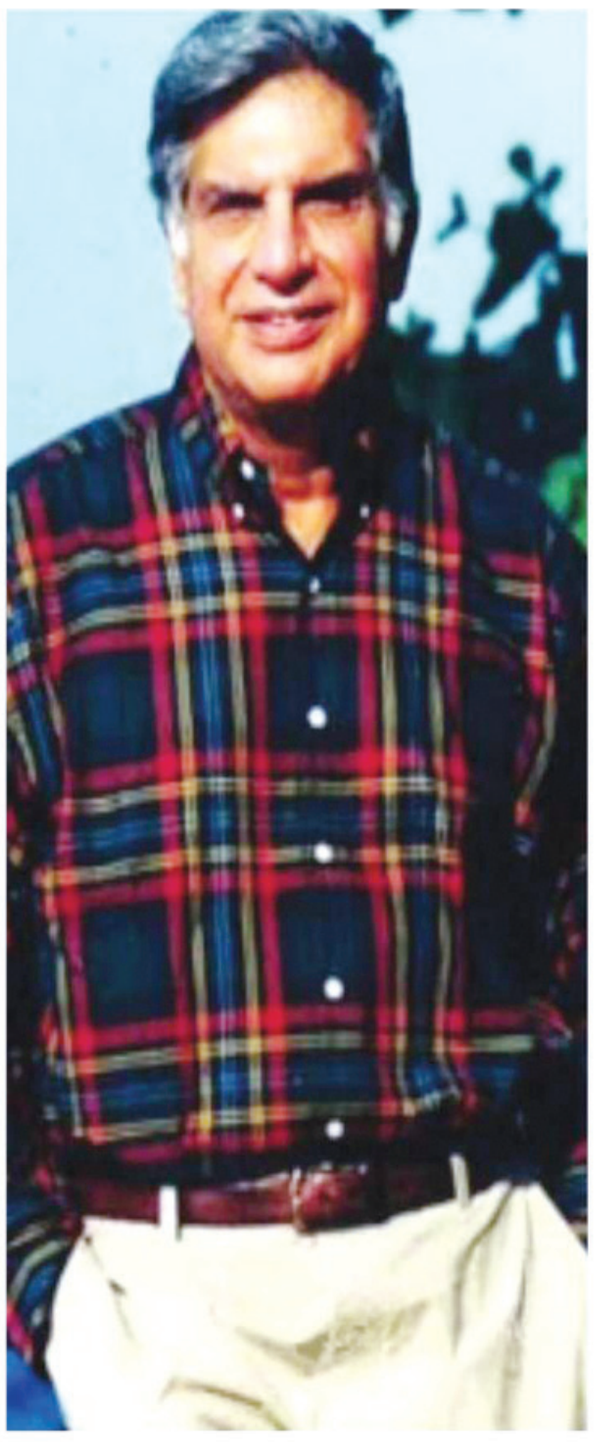

भारत के रतन कहे जाने वाले उद्योगपति रतन नवल टाटा का बुधवार रात को 86 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। 'पद्म विभूषण' से सम्मानित 86 वर्षीय टाटा पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन की खबर सामने आते ही देश में शोक की लहर दौड़ गयी क्योंकि वह हर भारतीय के दिल पर राज करते थे। नमक से लेकर सॉफ्टवेयर तक के कारोबार को देश-विदेश में नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले रतन टाटा को राजनीतिक जगत, उद्योग जगत, खेल जगत, सिनेमा जगत की हस्तियों की ओर से तो श्रद्धांजलि दी ही जा रही है साथ ही आम आदमी भी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से रतन टाटा को श्रद्धांजलि दे रहा है।
रतन टाटा दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में से एक थे, फिर भी वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए। उनके पास 30 से ज्यादा कंपनियां थीं जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली थीं, इसके बावजूद वह एक सादगीपूर्ण जीवन जीते थे। सरल व्यक्तित्व के धनी टाटा एक कॉरपोरेट दिग्गज थे, जिन्होंने अपनी शालीनता और ईमानदारी के बूते एक अलग तरह की छवि बनाई थी। रतन टाटा 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद पारिवारिक कंपनी में शामिल हो गए। उन्होंने शुरुआत में एक कंपनी में काम किया और टाटा समूह के कई व्यवसायों में अनुभव प्राप्त किया, जिसके बाद 1971 में उन्हें (समूह की एक फर्म) 'नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी' का प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया। एक दशक बाद वह टाटा इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बने और 1991 में अपने चाचा जेआरडी टाटा से टाटा समूह के चेयरमैन का पदभार संभाला। जेआरडी टाटा पांच दशक से भी अधिक समय से इस पद पर थे। यह वह वर्ष था जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को खोला और 1868 में कपड़ा और व्यापारिक छोटी फर्म के रूप में शुरुआत करने वाले टाटा समूह ने शीघ्र ही खुद को एक ''वैश्विक महाशक्ति'' में बदल दिया, जिसका परिचालन नमक से लेकर इस्पात, कार से लेकर सॉफ्टवेयर, बिजली संयंत्र और एयरलाइन तक फैला गया था। रतन टाटा दो दशक से अधिक समय तक समूह की मुख्य होल्डिंग कंपनी 'टाटा संस' के चेयरमैन रहे और इस दौरान समूह ने तेजी से विस्तार करते हुए वर्ष 2000 में लंदन स्थित टेटली टी को 43.13 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, वर्ष 2004 में दक्षिण कोरिया की देवू मोटर्स के ट्रक-निर्माण परिचालन को 10.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर में खरीदा, एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस समूह को 11 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा और फोर्ड मोटर कंपनी से मशहूर ब्रिटिश कार ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर को 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदा। भारत के सबसे सफल व्यवसायियों में से एक होने के साथ-साथ, वह अपनी परोपकारी गतिविधियों के लिए भी जाने जाते थे। परोपकार में उनकी व्यक्तिगत भागीदारी बहुत पहले ही शुरू हो गई थी। वर्ष 1970 के दशक में, उन्होंने आगा खान अस्पताल और मेडिकल कॉलेज परियोजना की शुरुआत की, जिसने भारत के प्रमुख स्वास्थ्य सेवा संस्थानों में से एक की नींव रखी थी।जहां तक रतन टाटा को दी जा रही श्रद्धांजलि की बात है तो आपको बता दें कि भारत के शीर्ष उद्योगपतियों ने दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। रिलायंस के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने रतन टाटा को भारत के सबसे प्रतिष्ठित और परोपकारी बेटों में से एक बताया। अंबानी के अलावा अरबपति गौतम अदाणी और ऑटो क्षेत्र के दिग्गज आनंद महिंद्रा ने भी टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। अंबानी ने अपने शोक संदेश में कहा, ''यह भारत और भारतीय उद्योग जगत के लिए बहुत दुखद दिन है। रतन टाटा का निधन न केवल टाटा समूह के लिए बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए बड़ी क्षति है।'' उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत स्तर पर, रतन टाटा के निधन से मुझे बहुत दुख हुआ है क्योंकि मैंने एक प्रिय मित्र खो दिया है।''

रतन टाटा भारत के उद्योगों के रत्न

मुंबई के ब्रिज कैंडी हॉस्पिटल में 86वर्ष की उम्र में रतन टाटा का निधन हो गया रतन टाटा के निधन की खबर से लोग काफी ज्यादा दुखी हैं। रतन टाटा न केवल अपने बिजनस के लिए बल्कि अपने व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते थे। दूसरों की मदद करते रहने की आदत की वजह से लोग टाटा संस के चेयरमैन की इतनी ज्यादा इज्जत करते हैं। रतन टाटा से आप सिर्फ बिजनस ही नहीं बल्कि जिंदगी जीने का तरीका भी सीख सकते हैं। अगर आपने रतन टाटा द्वारा कही गई इन बातों पर अमल कर लिया, तो यकीन मानिए आपको सफलता का मुकाम हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। उतार-चढ़ाव को स्वीकार करें रतन टाटा कहते थे कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए उतार-चढ़ाव जरूरी है। ईसीजी में एक सीधी रेखा का मतलब है कि हम जीवित नहीं है। रतन टाटा के इस कोट के मुताबिक आपको उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने की कोशिश करनी चाहिए। असफलता का शोक मनाने की जगह सीख लेकर आगे बढ़िए। खुद पर होना चाहिए भरोसा रतन टाटा का कहना था कि वो सही फैसले लेने में विश्वास नहीं करते, वो फैसले लेते हैं और फिर उन्हें सही साबित कर देते हैं। इस कोट के मुताबिक आपको खुद पर भरोसा होना चाहिए। अगर आप अपने लिए गए फैसलों को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, तो आपको आज नहीं तो कल सफलता जरूर मिलेगी। सबको साथ लेकर चलें रतन टाटा कहते थे कि अगर आप तेजी से चलना चाहते हैं तो आपको अकेले चलकर सफर तय करना चाहिए। लेकिन अगर आप दूर तक चलना चाहते हैं तो आपको सभी के साथ मिलकर सफर तय करने की कोशिश करनी चाहिए। चुनौती को मौके में बदलें रतन टाटा का कहना था कि अगर लोग आपके ऊपर पत्थर मारते हैं, तो आपको उन पत्थरों का इस्तेमाल अपना महल बनाने के लिए कर लेना चाहिए। कुल मिलाकर आपको अपने सफलता के सफर के दौरान दिखाई देने वाली बाधाओं या फिर चुनौतियों को अवसर में बदल देना चाहिए। आगे आने वाली कई पीढ़ियां रतन टाटा के इन अनमोल विचारों से बहुत कुछ सीख सकती हैं। इस तरह के विचारों पर अमल कर आप न केवल अपने प्रोफेशन में सफलता हासिल करेंगे बल्कि लोगों के प्रेरणादायक भी हैं रतन टाटा भारत के उद्योगों के रत्न के हैं जिन्होंने टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडमेन्टल रिसर्च, टाटा स्टील, टी आई एफ आर जैसे संस्थान को चमकाया है विनम्र श्रद्धांजलि!

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

15 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। नायब सिंह सैनी के 15 अक्टूबर को पंचकुला में हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना है। हालांकि राज्य सरकार ने कार्यक्रम की तारीख और स्थान का उल्लेख करते हुए एक आधिकारिक पत्र जारी किया है। वहीं, सैनी के एक करीबी सहयोगी ने बताया कि वे अभी भी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धता की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। अपनी ओर से, हरियाणा सरकार ने शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था की निगरानी के लिए पंचकुला के उपायुक्त की अध्यक्षता में अधिकारियों की 10 सदस्यीय समिति का गठन किया है। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक आदेश में, मुख्य सचिव टी वी एस एन प्रसाद ने कहा कि पंचकुला के अतिरिक्त उपायुक्त और नगर निगम आयुक्त भी समिति के सदस्य होंगे। चूंकि भाजपा ने निवर्तमान मुख्यमंत्री सैनी को सीएम चेहरे के रूप में पेश करके विधानसभा चुनाव लड़ा था, इसलिए पूरी संभावना है कि वह नई सरकार का नेतृत्व भी करेंगे।

बिहार में हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकालने जा रहे गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने 18 से 22 अक्टूबर तक हिंदू स्वाभिमान यात्रा शुरू करने की अपनी योजना की घोषणा की है। इस यात्रा का उद्देश्य हिंदू समुदाय से एकजुट रहने और जाति के आधार पर विभाजन का विरोध करने का आग्रह करना है। सिंह ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जैसे नेताओं पर हिंदुओं को जाति के आधार पर बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मैं हिंदुओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए हिंदू स्वाभिमान यात्रा शुरू करूंगा, क्योंकि राहुल गांधी जैसे नेता हमें जाति के आधार पर बांटना चाहते। भाजपा के फायग ब्रांड नेता ने कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ है। हमें हिंदुओं को एकजुट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं हिंदुओं से कहने जा रहा हूं कि संगठित हिंदू, सशक्त हिंदू। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बंटोगे तो कटोगे।

हरियाणा में हार पर कांग्रेस का मंथन, भाजपा ने कसा तंज

नईदिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में अपनी अप्रत्याशित हार की समीक्षा के बाद कांग्रेस ने तथ्य-खोज समिति गठन करने की बात कही है। हालांकि, कांग्रेस की इस बैठक को लेकर भाजपा तंज कस रही है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने तंज कसते हुए कहा कि आईना साफ करने से चेहरे की गंदगी साफ नहीं होती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस यही करने की कोशिश कर रही है। भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि अपनी विफलताओं का दोष ईवीएम मशीनों पर मढ़ना और इस तरह वे कभी भी इसकी तह तक नहीं पहुंच पाएंगे। उन्होंने दावा किया कि मुख्य कारण यह था कि कांग्रेस के भीतर नेताओं के बीच युद्ध चल रहा था। भाजपा नेता शाजिया इल्मी ने कहा कि राहुल गांधी की नफरत की दुकान सील हो गई है। लोग उनकी असलियत समझ गए। लोग इससे निपट रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि वे ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं।

जेपी के बहाने अखिलेश यादव ने गरमा दी सियासत

लखनऊ। समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की शुक्रवार को जयंती मनाने के लिए अखिलेश यादव गुरुवार रात जेपीएनआईसी गए। अखिलेश यादव ने कहा कि हम जय प्रकाश नारायण की जयंती मनाते हैं। यह सरकार हमें उन्हें माला पहनाने से रोकने की कोशिश कर रही है। सपा नेता ने कहा कि बहुत से समाजवादी लोग सरकार में हैं और सरकार को बने रहने में मदद कर रहे हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके (जय प्रकाश नारायण) आंदोलन से उभरे हैं, यह नीतीश कुमार के लिए उस सरकार से समर्थन वापस लेने का मौका है जो समाजवादियों को जय प्रकाश नारायण की जयंती पर श्रद्धांजलि देने की अनुमति नहीं दे रही है। बीजेपी नेता शाजिया इल्मी ने पलटवार करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को ऐसे राजनीतिक स्टंट से बचना चाहिए। अगर वे जय प्रकाश नारायण को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं तो उन पार्टियों से अपना गठबंधन तोड़ देंगे, जिनके खिलाफ जय प्रकाश ने आपातकाल के दौरान आवाज उठाई थी और जेल गए थे।

घाटे में दिल्ली सरकार, बांसुरी स्वराज का केजरीवाल पर वार

नईदिल्ली। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की अर्थव्यवस्था को लेकर अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा है। बांसुरी स्वराज ने दावा किया कि गुरुवार को दिल्ली फाइनेंस डिपार्टमेंट की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था के विध्वंस के लिए अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी की सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी पूरी तरह जिम्मेदार हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये अचंभे की बात है कि 31 साल में पहली बार दिल्ली का बजट घाटे में है। इसका अर्थ है कि दिल्ली में खर्च, दिल्ली की आय से ज्यादा हो रहा है। ये घाटा जानबूझकर हुआ है। भाजपा नेत्री ने कहा कि आतिशी, केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की सरकार को पता था कि दिल्ली के पास पैसे की किल्लत है। इसलिए अचानक उन्होंने एक पन्ने का आर्डर निकाला और 1 हजार से अधिक बस मार्शल को बड़ी क्रूरता और निर्ममता से नौकरी से निकाल दिया, उनकी 6 महीने की सैलरी उन्हें नहीं दी।

बख्शते नहीं हैं मोदी, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने चीन को जो खरी खरी सुनाई है उससे ड्रैगन को मिर्ची लगना पक्का है

हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का हो, न कि विस्तारवाद का

वियेनतियान। 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व नेताओं को अहम सलाह दी। बिना नाम लिए पीएम ने चीन और पाकिस्तान पर हमला किया। लाओ पीडीआर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाई पीएम पेटोंगटारन शिनावात्रा से मुलाकात की। लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफांडोन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्षों का सबसे ज्यादा नकारात्मक असर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा है। हर कोई चाहता है कि यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता बहाल हो

मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना जरूरी है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी। विश्वबधु का दायित्व निभाते हुए भारत इस दिशा में हरसंभव योगदान देता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व के विभिन्न भागों में जारी संघर्षों का सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव 'ग्लोबल साउथ' के देशों पर पड़ने का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को यूरेशिया और पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थिरता की बहाली का आह्वान किया। मोदी ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) को संबोधित करते हुए कहा कि समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। उन्होंने यह भी कहा कि स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी, समृद्ध और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत पूरे क्षेत्र में शांति तथा प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दक्षिण चीन सागर में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हित में है। मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि समुद्री गतिविधियां संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के तहत संचालित की जानी चाहिए।

नौवहन और वायु क्षेत्र की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना आवश्यक है। एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर कोई अंकुश नहीं लगना चाहिए। उन्होंने कहा, हमारा दृष्टिकोण विकासवाद का होना चाहिए, न कि विस्तारवाद का। विश्व के विभिन्न भागों में चल रहे संघर्षों का सबसे अधिक नकारात्मक प्रभाव 'ग्लोबल साउथ' के देशों पर पड़ने का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि चाहे वह यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, हर कोई चाहता है कि यथाशीघ्र शांति और स्थिरता बहाल होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं बुद्ध की धरती से आता हूं और मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकल सकता। प्रधानमंत्री ने कहा, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करना आवश्यक है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देनी होगी।

उन्होंने कहा कि विश्वबंधु की जिम्मेदारी निभाते हुए भारत इस दिशा में हरसंभव योगदान देता रहेगा। उनकी यह टिप्पणी यूरेशिया में यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष तथा पश्चिम एशिया में इजराइल-हमास युद्ध के बीच आई है। मोदी ने कहा, आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को मिलकर काम करना होगा।

अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने तूफान यागी से प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की। यागी एक विनाशकारी उष्णकटिबंधीय चक्रवात था, जिसने इस वर्ष सितंबर में दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण चीन को प्रभावित किया था। मोदी ने कहा, इस कठिन समय में हमने ऑपरेशन सद्भाव के जरिये मानवीय सहायता प्रदान की है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) की एकता और प्रमुखता का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि आसियान भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण और क्वाड सहयोग के केन्द्र में भी है। उन्होंने कहा, भारत की 'हिंद-प्रशांत महासागर पहल' और 'हिंद-प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' के बीच गहरी समानताएं हैं।

मोदी ने कहा, हम म्यांमार की स्थिति के प्रति आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। हम पांच सूत्री सहमति का भी समर्थन करते हैं। साथ ही, हमारा मानना है कि वहां मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने वहां लोकतंत्र की बहाली के लिए उचित कदम उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए, अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। मोदी ने कहा कि पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।

जापान, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों से मिले पीएम मोदी, कई अहम मुद्दों पर बन गयी बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस की यात्रा के दौरान अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने बुनियादी ढांचे, संपर्क और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से भी मुलाकात की। हम आपको बता दें कि मोदी दो दिवसीय यात्रा पर लाओस की राजधानी में हैं। उन्होंने 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के अवसर पर, जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात की और उन्हें उनकी नयी जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए जापान को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में सफलता की कामना की। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री इशिबा के साथ बहुत ही सार्थक बैठक हुई। उनके जापान का प्रधानमंत्री बनने के कुछ ही दिन बाद उनसे मिलकर मैं खुश हूं। हमारी बातचीत में बुनियादी ढांचे, संपर्क, रक्षा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई। सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा हुई।'' हम आपको बता दें कि इशिबा को पिछले सप्ताह ही जापान का प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। उन्होंने फुमियो किशिदा की जगह ली है, जिन्होंने नये नेता के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने लाओ पीडीआर में भारत-आसियान शिखर सम्मेलन से इतर शानदार बातचीत की। उन्होंने प्रौद्योगिकी, रक्षा और लोगों के बीच संबंध समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंध मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने विश्वसनीय मित्र और रणनीतिक साझेदार जापान के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जापान-भारत संबंधों को बढ़ावा दिया जा रहा है, 'एक्ट ईस्ट' नीति को मजबूत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने आज 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर सार्थक बातचीत की। चर्चा में प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा और सुरक्षा, सांस्कृतिक और जनता के बीच आदान-प्रदान में साझेदारी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।''

विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास, रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, कौशल, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।'' बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपरिहार्य साझेदार हैं तथा उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बयान के अनुसार, ''दोनों नेता अगले भारत-जापान वार्षिक सम्मेलन को लेकर उत्सुक हैं।'' न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन के साथ मुलाकात में प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक सहयोग, पर्यटन, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। यह दोनों नेताओं की पहली मुलाकात थी। मोदी ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ शानदार बैठक हुई। हम न्यूजीलैंड के साथ अपनी मित्रता को महत्व देते हैं, जो लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्धत है। हमारी बातचीत में आर्थिक सहयोग, पर्यटन, शिक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्रों पर चर्चा हुई।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी समेत अनेक क्षेत्रों में भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''साझेदारी के क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 21वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन से मुलाकात की।'' विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि-प्रौद्योगिकी, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों के बीच संबंधों समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

खेल
प्रमुख समाचार

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट में 47 रनों से दी मात

मुल्तान। पाकिस्तान टीम की हार का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पहले बांग्लादेश और अब इंग्लैंड, पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक बार फिर घर में करारी हार झेलनी पड़ी है। दरअसल, इंग्लैंड ने मुल्तान में खेले गए पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को पारी और 47 रनों से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीनों मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। बता दें कि, पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 556 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने भी शानदार बल्लेबाजी की और सात विकेट पर 823 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही मेहमान टीम को 267 रनों की बढ़त मिली, लेकिन मेजबान टीम दूसरी पारी में 220 रनों पर ही ढेर हो गई। पाकिस्तान की हार चौथे दिन के बाद से ही तय नजर आ रही थी। चौथे दिन का अंत मेजबान टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 152 रनों के साथ किया था। सलमान आगा 41 और आमेर जमाल 27 रन बनाकर खेल रहे थे। दोनों ने कुछ देर तक लड़ाई लड़ी और मैच के पांचवें दिन शुक्रवार को टीम के खाते में 39 रन और जोड़े। 191 के कुल स्कोर पर जैक लीच ने सलमान की पारी का अंत कर दिया। पहली पारी में शतक जमाने वाले इस बल्लेबाज ने दूसरी पारी में 84 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 63 रनों की पारी खेली। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे। जमाल एक तरफ तो टिके थे लेकिन उन्हें साथ नहीं मिल रहा था। इस बीच लीच ने शाहीन शाह अफरीदी को अपनी ही गेंद पर कैच आउट कर पाकिस्तान को आठवां झटका दे दिया। लीच ने ही नसीम शाह को आउट कर पाकिस्तान का नौवां विकेट गिरा दिया और यहीं मेजबान टीम की पारी का अंत कर दिया क्योंकि 10वें नंबर के बल्लेबाज अबरार अहमद तेज बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। आमेर 104 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 55 रन बनाकर नाबाद रहे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 230 अंक टूटा, निफ्टी 25 हजार के नीचे फिसला

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन यानी शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की निकासी, कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से कम रहने की चिंता और भू-राजनीतिक संकट में वृद्धि के चलते बाजार गिरकर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज गिरावट के साथ 81,478.49 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान 81,671.38 से 81,304.15 अंक के बीच झूलने के बाद अंत में सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत या 230.05 अंक की गिरावट लेकर 81,381.36 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.14% या 34.20 अंक टूटकर 24,964.25 के लेवल पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे ज्यादा 1.84 प्रतिशत गिर गया। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुती, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

रतन टाटा के बाद नोएल टाटा बने टाटा ट्रस्ट के नए चेयरमैन

नईदिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के रूप में नोएल टाटा ने रतन टाटा की जगह ले ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुक्रवार सुबह टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड की बैठक में नोएल टाटा की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। नोएल टाटा, रतन टाटा के सौतेले भाई हैं और अब टाटा ट्रस्ट्स का नेतृत्व करेंगे। टाटा ट्रस्ट्स, टाटा सन्स की मालिकाना हक वाली परोपकारी संस्थाएं हैं, जो टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। खबरों के मुताबिक, आज टाटा ट्रस्ट्स की एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसके बाद बोर्ड ने नोएल टाटा को रतन टाटा का उत्तराधिकारी नियुक्त करने का फैसला लिया। टाटा संस में 65.9% हिस्सेदारी टाटा ट्रस्ट्स के पास है, 12.87% हिस्सेदारी टाटा ग्रुप की कंपनियों के पास, जबकि 18.4% हिस्सा मिस्त्री परिवार के पास है। रिटेल क्षेत्र में ट्रेंट जैसी बड़ी कंपनी की स्थापना करने वाले नोएल इस दौरान शांत और संयमित दिखे।

साउथ कोरिया के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में की कटौती

नईदिल्ली। साउथ कोरिया के केंद्रीय बैंक ने चार साल से अधिक समय में पहली बार शुक्रवार को अपनी नीतिगत दर में कटौती की। बैंक ऑफ कोरिया ने अपनी मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद अपनी प्रमुख ब्याज दर को एक चौथाई प्रतिशत घटाकर 3.25 प्रतिशत कर दिया। यह मई 2020 के बाद से कर्ज लेने की लागत को कम करने का पहला कदम है, जब अर्थव्यवस्था कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रही थी। बैंक ने मुद्रास्फीति और बढ़ते घरेलू ऋण के बारे में चिंताओं के बीच अगस्त 2021 में दर में एक चौथाई प्रतिशत की वृद्धि की थी और फिर तीन साल से अधिक समय तक दरों को स्थिर रखा। केंद्रीय बैंक के गवर्नर री चांग-योंग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अर्थव्यवस्था में अब भी अतिरिक्त कटौती की क्षमता है। राजधानी क्षेत्र में मकानों की कीमतें अगस्त की तुलना में सितंबर में दो तिहाई कम बढ़ी हैं।

टेस्ला ने पेश की बिना स्टीयरिंग और पैडल वाली साइबरकैब

वाशिंगटन। एलन मस्क ने टेस्ला की नई रोबोटैक्सी 'साइबरकैब' का अनावरण किया है। यह इवेंट लॉस एंजिलिस के पास वार्नर ब्रदर्स स्टूडियो में आयोजित हुआ, जिसका नाम 'वी, रोबोट' रखा गया था। इस नाम को 2004 की प्रसिद्ध फिल्म 'आई, रोबोट' से प्रेरित माना जा रहा है। मस्क ने बताया कि साइबरकैब का प्रोडक्शन 2026 में शुरू होगा और इसकी कीमत 30,000 डॉलर (करीब 25 लाख रुपये) से कम होगी। मस्क द्वारा दिखाए गए इलेक्ट्रिक टैक्सी में सिर्फ दो लोगों की बैठने की क्षमता है और इसमें न तो पैडल हैं और न ही स्टीयरिंग, जिससे यह एक पूरी तरह से ऑटोनोमस व्हीकल है। इस रोबोटैक्सी का डिज़ाइन किसी साइंस फिक्शन नॉवेल जैसा लगता है, जिसके दोनों दरवाजे तितली के पंखों की तरह ऊपर की ओर खुलते हैं।

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

(गतांक से आगे...)

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा।

विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर

पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024-25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025-26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है।

उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है।

विश्व बैंक की आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में तार्किक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता के संकेत जरूर दिए हैं परंतु कोविड महामारी से पहले के विकास के स्तरों की तुलना में वैश्विक स्तर पर विकास अभी भी धीमा बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर प्रभावी उपाय करने होंगे। यहां भारत की वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय जैसी भावनाओं के साथ, वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास के लिए, यदि सभी देश मिलकर आगे बढ़ते हैं तो भारत के साथ साथ पूरे विश्व में भी खुशहाली लाई जा सकती है।

साईबर सुरक्षा व जल संरक्षण के उपायों को लेकर जागरूकता व उसे अमल में लाना बेहद जरूरी: मिश्रा

रायपुर। साईबर सुरक्षा और जल संरक्षण को लेकर रायगढ़ नगर निगम ऑडिटोरियम में गुरुवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जबकि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और जिला एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य लोगों में साईबर सुरक्षा और जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

इसमें जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायगढ़ श्री जितेन्द्र कुमार जैन, कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, जिला न्यायालय से सभी न्यायाधीश, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जस्टिस श्री प्रशांत मिश्रा ने कहा कि साईबर जागरूकता एवं जल संरक्षण यह दो ऐसे विषय है जो आज के समय में हम सभी के जीवन से सीधे तौर से जुड़े हुए है। साईबर अपराधों से बचाव के लिए इसके बारे में जागरूक होना सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। आज टेक्नालॉजी तेजी से विकसित हो रही है। ऐसे में स्वयं को अपडेट रखना और साईबर अपराधों से जुड़ी जानकारी व उससे बचाव के तरीकों को अमल में लाकर ऐसे अपराधों से बचा जा सकता है। उन्होंने अपने आसपास के वाकये बताते हुए कहा कि साईबर ठग लोगों को ज्यूडशरी से जुड़े लोगों के नाम पर भी ठगने का प्रयास करते है। ऐसे मामलों में सतर्कता व सुझबुझ से काम लेना जरूरी है। उन्होंने जल संरक्षण को लेकर कहा कि यह ऐसा मामला है जिसमें हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है। जागरूकता के साथ ही जल संरक्षण के उपायों को अमल में लाकर ही हम अपने आसपास एक बेहतर वातावरण निर्मित कर सकते है। इसके लिए सभी को सकारात्मक सोच के साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए एक अच्छा प्रयास किया जा रहा है। अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ लेकर अपने आसपास दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि साईबर अपराधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, लोगों के बीच सतर्कता का स्तर उसी अनुरूप बढ़ाना आवश्यक है। आज के डिजीटल युग में अगर समझदारी से काम न लिया जाए तो एक क्लिक में आदमी अपनी सारी जमा पूंजी गंवा सकता है। उन्होंने बताया कि चोरी जैसे अपराधों के मुकाबले अब साईबर ठगी से लोगों को कही ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है। शासन-प्रशासन अपने स्तर पर ऐसे अपराधों पर लगाम लगाने व अपराधियों को सजा दिलाने के लिए कार्य कर रही है। लेकिन एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में सभी को सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। साईबर अपराधों के तरीके व इसके पीछे काम करने वाले मनोभावों की समझ बढ़ाकर तथा उससे बचाव के तरीकों के बारे में स्वयं तथा अपने परिवार वालों को जागरूक कर साईबर अपराधों से बचा जा सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन के जल संरक्षण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि रायगढ़ में भू-जल व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने बताया कि शासन स्तर पर नवा रायपुर में पीपल फॉर पीपुल अभियान चलाकर व्यापक रूप से पीपल के पेड़ लगाने का काम किया जा रहा है। रायगढ़ जिले में भी व्यापक स्तर पर यह कार्य हुआ है। केलो बांध का पानी नहरों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाने की दिशा में कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति पूजन का अहम स्थान रहा है। इसको दृष्टिगत रखते हुए हम सभी को जल संरक्षण की दिशा में साथ मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से शासन स्तर पर फ्लाईएश व ईएसपी मैनेजमेंट की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

विष्णु के सुशासन में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर एक और बड़ा कदम

राज्य के चार नवीन मेडिकल कालेज भवन निर्माण के लिए 1020 करोड़ रूपए का ई-टेंडर जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य के विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं। तरक्की और सुशासन का ये सफर स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के रूप में भी नजर आ रहा है। । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ मिलकर स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और नई सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया है। इसी बात के मद्देनजर मुख्यमंत्री श्री साय की पहल और और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में राज्य के चार नवीन मेडिकल कालेजों के भवन के लिए निविदा जारी कर दी गयी है।

राज्य में जांजगीर चांपा, कबीरधाम, मनेंद्रगढ़ और दंतेवाड़ा के गीदम में चार नवीन मेडिकल कालेज बनेंगे। इनकी प्लानिंग, डिजाइनिंग, इंजीनियरिंग और निर्माण कार्य के लिए 1020.60 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। 11 अक्टूबर से बिड डाक्यूमेंट आनलाइन उपलब्ध होंगे तथा इन्हें जमा करने की अंतिम तारीख 7 नवंबर होगी। ई- टेंडर जारी होने पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि उनकी पहली प्राथमिकता राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का इजाफा करना है ताकि राज्य के युवाओं के साथ ही प्रत्येक वर्ग के लोगों को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके और स्थानीय लोगों को इलाज के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सके।

27वां अखिल भारतीय वन खेलकूल महोत्सव 16 से, 3000 खिलाड़ी लेंगे भाग

.रायपुर। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तत्कालीन सचिव के विशेष प्रयासों से देश में राज्यों के वन विभाग के समस्त स्तर के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के एक मंच में परस्पर समन्वय तथा उनके बीच खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ''अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता'' वर्ष 1992 में प्रारंभ की गयी थी।

छत्तीसगढ़ में आयोजित खेल महोत्सव 16 अक्टूबर 2024 को उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के रूप में केन्द्रीय वनमंत्री भूपेन्द्र यादव, बिहार सरकार के सहकारिता एवं वन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, केन्द्रीय वन विभाग सचिव लीना नंदन, केन्द्रीय वन महानिदेशक जितेन्द्र कुमार एवं वर्ल्ड क्रिकेट टी-20 के भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे।

छत्तीसगढ़ इस आयोजन की मेजबानी तीसरी बार कर रहा है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 23 खेलों की 300 विधाओं में लगभग 3000 खिलाड़ियों का भाग लेना एक बड़ी उपलब्धि है, जिसमें लगभग 584 महिला और 2320 पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता में 29 राज्य, 8 केन्द्र शासित प्रदेश, 6 वानिकी संस्थान और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी भाग लेंगे।

अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य वन विभाग के जमीनी स्तर के कर्मचारियों से लेकर उच्चाधिकारियों तक की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना है। ताकि सभी राज्यों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य परस्पर सामंजस्य और सौहाद्र की भावना विकसित हो, साथ ही एकाग्रता, धैर्य और साहस भी बढ़ता है।

कबीरधाम का हो रहा चहुमुखी विकासः उपमुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कवर्धा शहर की बहुप्रतिक्षित मांग ठाकुर देव चौक से हाई-टेक बस स्टैण्ड जुनवानी चौक तक सड़क चौड़ीकरण और उन्नयन कार्य का विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमि-पूजन किया। इस 4.20 किलोमीटर उन्नयन कार्य के लिए 11 करोड़ 6 लाख 78 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। गौरतलब है कि कवर्धा में हाईटेक बस स्टैण्ड के निर्माण के बाद इस सड़क की उपयोगिता काफी बढ़ गई थी, जिससे इस मार्ग पर यातायात का दबाव भी बढ़ा था। ऐसे में सड़क के चौड़ीकरण और उन्नयन करने की आवश्यकता थी जिससे आवागमन की सुविधा और बेहतर हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर लोगों के बहुप्रतिक्षित मांग को पूरा करते हुए नवरात्र के पावन अवसर पर शहर वासियों को बड़ी सौगात दी है। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में विष्णु देव के नेतृत्व में कबीरधाम जिले सहित कवर्धा-पंडरिया का चहुमुखी विकास हो रहा है। प्रदेश में साय सरकार बनने के बाद सभी विकास कार्य अब तेजी से किया जा रहा है, मोदी गारंटी के तहत किए गए वादे को भी पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि ठाकुर देव चौक से हाई-टेक बस स्टैण्ड जुनवानी तक बनने वाली यह सड़क मार्ग शहर के विकास और यातायात व्यवस्था के सुधार में मील का पत्थर साबित होगा।

रायपुर। डेका ने बंगाली समिति द्वारा कालीबाड़ी चौक में विराजित दुर्गा प्रतिमा का दर्शन किया और पूजा अर्चना की, इसके पश्चात वे टाटीबंध में बंगाली समिति द्वारा स्थापित मां दुर्गा के पूजा पंडाल गए और वहां पर पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने दी विजयादशमी की शुभकामनाएं

रायपुर। विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने असत्य पर सत्य के विजय पर्व विजयादशमी दशहरा के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि यह पर्व हमें समाज में व्याप्त आसुरी प्रवृत्ति को समाप्त कर शांति, सद्भाव और आपसी भाईचारा स्थापित करने का संदेश देता है। यह त्यौहार भारतीय संस्कृति में वीरता और शौर्य का प्रतीक है। डॉ. महंत ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अपने अंदर की बुराईयों को समाप्त कर प्रदेश के विकास एवं समृद्धि में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। विजयादशमी दशहरा दुर्गा पूजा और नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रि उत्सव के समाप्ति का प्रतीक है। यही वह दिन था जब भगवान श्रीराम ने रावण को परास्त किया था, वहीं मां दुर्गा ने महिषासुर का अंत कर देवताओं और मनुष्यों को उनके अत्याचार से मुक्ति दी थी, विजयदशमी को हथियार (अस्त्र-शस्त्र) पूजने की परंपरा भी है। यह दिन रोशनी के त्यौहार दिपावली की तैयारी की शुरुआत का भी प्रतीक है, जो त्यौहार के लगभग 20 दिनों बाद पड़ता है। प्रभु श्रीराम का लंका विजय तथा मां दुर्गा का महिषासुर मर्दिनी अवतार दशमी को हुआ था, इसलिए इसे विजयादशमी कहा जाता है।

मोदी सरकार ने खाद्य तेल पर एक्साईज ड्यूटी बढ़ाकर अत्याचार किया

रायपुर। मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर कस्टम ड्यूटी बढ़ा दिया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि त्योहारी सीजन में यह सरकार का जनता पर अत्याचार है। देश में कर संग्रहण, सरकार के अनुमान और तय लक्ष्य से अधिक होने के बावजूद अचानक खाद्य तेलों में 20 प्रतिशत तक की भारी भरकम कस्टम ड्यूटी बढ़ाना जनता के साथ भाजपा सरकार का अन्याय है। मोदी निर्मित राष्ट्रीय आपदा महंगाई से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है। एक तरफ घटती आमदनी और बेरोजगारी से आम जनता त्रस्त है, वही मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों और केंद सरकार की बेरहमी से टैक्स वसूली की भूख के कारण महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है। आलू, प्याज, लहसुन, अनाज, दलहन, रसोई गैस के दाम आसमान छू रहे हैं और अब खाद्य तेल में 20-20 प्रतिशत की वृद्धि आम जनता पर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार का पूरा फोकस मुनाफाखोरी पर ही केंद्रित है, महंगाई की मार से बदहाल आम जनता की तकलीफों से भाजपा नेताओं को कोई सरोकार नहीं है। जितनी बेरहमी से भारतीय जनता पार्टी की सरकारें जनता से टैक्स वसूलती हैं, उतनी बेरहमी से तो शायद अंग्रेज भी लगान नहीं वसूला करते थे।

इन्वेस्टर मीट का प्रपोजल तक राज्यपाल को देना पड़ रहा है

रायपुर। राज्यपाल द्वारा छत्तीसगढ़ में इन्वेस्टर मीट के लिए केंद्रीय वित्तमंत्री को दिए गए प्रपोजल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि 10 महीनों में ही भाजपा की सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है, कार्यक्रम तय करना विधायिका का उत्तरदायित्व है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार इतनी निकम्मी है कि प्रदेश में इन्वेस्टर मीट तक का आयोजन अपने पुरुषार्थ से करवा पाने में अक्षम हैं। जिला स्तर में अधिकारियों की बैठक तक महामहिम राज्यपाल को लेना पड़ रहा है और अब इन्वेस्टर मीट का प्रपोजल भी महामहिम के द्वारा देना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार को स्पष्ट करना चाहिए की सरकार आखिर चला कौन रहा है? इस निकम्मी सरकार का रिमोट कंट्रोल किसके हाथ में है? संवैधानिक व्यवस्था के विपरीत यदि राजभवन से ही सरकार चलाना है तो ऐसे प्रदेश सरकार का कोई औचित्य नहीं है। तत्काल राष्ट्रपति शासन लगाकर छत्तीसगढ़ की निकम्मी भाजपा सरकार को भंग कर देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है भारतीय जनता पार्टी की सरकार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से निवेश आकर्षित करने में पूरी तरह से नाकाम रही है।

सराफा कारोबारियों पर 24 लाख का जुर्माना

रायपुर। राज्य जीएसटी (स्टेट जीएसटी) की टीम ने मौदहापारा थाना क्षेत्र में नौ क्विंटल 28 किलो चांदी के जेवर जब्ती मामले में कार्रवाई करते हुए एक दर्जन सराफा कारोबारियों से 24 लाख रुपए की जुर्माना राशि वसूल की है। राज्य जीएसटी अधिकारियों के अनुसार, कारोबारियों ने टैक्स चोरी की नीयत से आधा माल पक्के कागजात में और आधा माल कच्चे में मंगवाया था। इससे पहले, सराफा कारोबारियों ने आगरा से दिल्ली के रास्ते एयर कार्गो के माध्यम से चांदी के जेवर मंगाए थे। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने मौदहापारा स्थित केके रोड के पास इसे जब्त कर जीएसटी विभाग को सौंप दिया था। अधिकारियों के अनुसार, यह चांदी इंडिगो एयरलाइंस के कार्गो के जरिए रायपुर लाई गई थी। जीएसटी विभाग ने धारा 122 के तहत कार्रवाई करते हुए कारोबारियों पर जुर्माना लगाया। जांच के दौरान पाया गया कि आगरा के कई सराफा कारोबारियों से यह जेवर खरीदे गए थे, जिनमें से कुछ का बिल नहीं था। बिना बिल के चांदी के जेवरों पर जुर्माना लगाया गया और कारोबारियों द्वारा गुमराह करने की कोशिशों का भी खुलासा हुआ। इस मामले में गिरफ्तार व्यक्ति सन्नी से पूछताछ की जा रही है, जिससे यह पता लगाने का प्रयास हो रहा है कि क्या यह चांदी किसी अन्य अवैध या आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी थी।

पुलिस के चंगुल से विचाराधीन कैदी फरार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक विचाराधीन कैदी संजय भट्टाचार्य कोर्ट से फरार हो गया। यह घटना 9 अक्टूबर को सिविल लाइन थाना क्षेत्र में स्थित रायपुर कोर्ट में उस वक्त हुई जब आरोपी को रायपुर कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था, जहां वह पुलिस की नजरों से चकमा देकर भाग निकला। मिली जानकारी के अनुसार, संजय भट्टाचार्य कलकत्ता का निवासी है और उसके खिलाफ बलात्कार का मामला विचाराधीन है। इस घटना के बाद से रायपुर पुलिस में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया है ताकि आरोपी को जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश की जा सके। आरक्षक शिवम दिवेदी कैदी संजय को कोर्ट में पेश करने लाए थे। जब कैदी ने भागने की कोशिश की, तो आरक्षक ने उसे पकड़ने के लिएछत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक विचाराधीन कैदी संजय भट्टाचार्य कोर्ट से फरार हो गया। यह घटना 9 अक्टूबर को सिविल लाइन थाना क्षेत्र में स्थित रायपुर कोर्ट में उस वक्त हुई जब आरोपी को रायपुर कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था, जहां वह पुलिस की नजरों से चकमा देकर भाग निकला। मिली जानकारी के अनुसार, संजय भट्टाचार्य कलकत्ता का निवासी है और उसके खिलाफबलात्कार का मामला विचाराधीन है।

पानी पर चलने के दावे की पोल खुली, तालाब में डूबने लगे बाबा तो गोताखोरों ने बचाई जान

रायपुर। राजधानी से सटे आरंग इलाके में एक चौंकाने वाला और हास्यास्पद मामला सामने आया है, जहां एक बाबा के पानी के ऊपर चलने के दावे की पोल लोगों के सामने खुल गई। इस तथाकथित चमत्कार को देखने के लिए मौके पर तहसीलदार, पटवारी और थाना प्रभारी सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए थे। लेकिन जैसे ही बाबा ने तालाब में कदम रखा, वह पानी पर चलने की बजाय तैरने लगे। बाबा की असफलता देखकर भीड़ में शोर मच गया और लोग इसे अंधविश्वास करार देने लगे।

यह मामला रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के आरंग

विधानसभा अंतर्गत ग्राम कठिया का है। यहां के बाबा शिवदास बंजारे ने यह दावा किया था कि उनके पास दिव्य शक्तियां हैं, जिनकी मदद से वह पैदल चलते हुए तालाब को पार कर सकते हैं। बाबा ने यह भी कहा था कि वह जलते अंगारों पर चल सकते हैं और बिना तेल के सब्जी-खाना बना सकते हैं। बाबा के इस चमत्कारिक दावे को देखने के लिए ग्रामीणों ने 10 अक्टूबर की तारीख तय की थी। जैसे ही यह खबर आस-पास के गांवों तक पहुंची, भारी संख्या में लोग बाबा का चमत्कार देखने के लिए कठिया के तालाब के पास एकत्र हो गए। गुरुवार की शाम तालाब के किनारे हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा अपने समर्थकों के साथ तालाब पर पहुंचे और पानी पर चलने का प्रदर्शन करने लगे। लेकिन जैसे ही उन्होंने पानी में कदम रखा, वह पानी के ऊपर चलने के बजाय तैरने लगे, जिससे उनका दावा झूठा साबित हो गया। भीड़ की हंसी-ठिठोली और आलोचना के बीच, बाबा ने तालाब को तैरते हुए पार करने की कोशिश की। लेकिन कुछ दूरी पर जाने के बाद गहरे पानी में जाकर बाबा डूबने लगे। सौभाग्य से, प्रशासन ने गोताखोरों की एक टीम को पहले से मौके पर तैनात किया था, जिन्होंने तालाब में कूदकर डूबते हुए बाबा की जान बचाई।

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान तालाब के पास तहसीलदार, पटवारी और मंदिर हसौद थाना प्रभारी भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी इस अंधविश्वास को रोकने की कोई कोशिश नहीं की। प्रशासन की मौन स्वीकृति में यह पूरा तमाशा चलता रहा, जो कई सवाल खड़े करता है।

केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा अधिकार है एहसान नहीं

रायपुर। केंद्रीय करों में राज्य का हिस्सा प्रदेश का अधिकार है, एहसान नहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 6070 करोड़ केंद्र ने जो राज्यांश की राशि दी है वह छत्तीसगढ़ से वसूले गये टैक्स का हिस्सा है। भाजपाई चाटुकारिता में इसे राज्य को उपहार बता रहे है। विगत 10 महीनो की भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ को कर्ज में डुबाया, अमानत बेची, आरबीआई की सिक्योरिटी बेची, उसके बाबजूद पूर्ववर्ती सरकार की दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं बंद की और अब दलीय चाटुकारिता में केंद्रीय करों में राज्य को मिलने वाली हिस्सेदारी को उपहार बताकर भाजपा के नेता छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को अपमानित कर रहे हैं। भाजपा का चरित्र सहकारी संघवाद के खिलाफ है, संविधानिक व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत है, राज्यों के आर्थिक हितों के खिलाफ केंद्र सरकार लगातार अधिनायकवादी रवैया अपना रही है लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेता मौन हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रदेश के वित्त मंत्री पूर्व आईएएस रहे ओपी चौधरी जानबूझकर गलत बयानी कर रहे हैं। संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप राज्यों के अधिकार पर भी केवल श्रेय लेने के लिए झूठ फैला रहे हैं। हकीकत यह है कि छत्तीसगढ़ उत्पादक राज्य है। छत्तीसगढ़ में स्टील और सीमेंट के अग्रणी उत्पादक के साथ ही भरपूर वन संप्रदाय और प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा मौजूद है, जिनका दोहन केंद्र की सरकार और केंद्रीय उपक्रम करते हैं। कोयला, आयरन-ओर, बॉक्साइट और टीन जैसे बहुमूल्य का दोहन केंद्र की मोदी सरकार छत्तीसगढ़ से करती है। इसकी अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर, इनकम टैक्स सेंट्रल एक्साइज और जीएसटी में भी छत्तीसगढ़ की बड़ी भागीदारी है। विभिन्न करों के माध्यम से केंद्र की सरकार लाखों करोड़ रूपया छत्तीसगढ़ से वसूलते हैं और उसका लगभग एक तिहाई ही छत्तीसगढ़ को मिलता है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.